दैनिक

महाराष्ट्र समाचार

संपादक :अकबर खान

राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र

वर्ष:14 अंक:37 मुंबई, मंगलवार,03 नवम्बर -2026 E-mail:dailymaharashtrasamachar@gmail.com मूल्य 3.00 रूपया पृष्ठ - 06 RNI.No.MAHHIN/2013/53656

दिवाली पर दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों को मिली मंजूरी

दिल्ली-एनसीआर में दीपावली पर सिर्फ ग्रीन पटाखे फोड़ सकेंगे:अस्पताल-वृद्धाश्रम जैसे साइलेंस जोन में रोक, सुप्रीम कोर्ट ने लगातार दूसरे साल परमिशन दी

नई दिल्ली/एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में 7 और 8 नवंबर 2026 को ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी है। पटाखे केवल सुबह 6 से 7 बजे और रात 8 से 10 बजे तक जलाए जा सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने अस्पतालों, नर्सिंग होम, प्राथमिक एवं जिला स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और अधिसूचित साइलेंस जोन के 300 मीटर के दायरे में पटाखे जलाने पर रोक लगाई है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि इन क्षेत्रों के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थानों को भी 'नो-क्रैकर जोन' घोषित किया जाए। इनकी उचित मार्किंग की जाए और लोगों को इसकी जानकारी दी जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 15 अक्टूबर को दिल्ली-एनसीआर में पटाखे चलाने को लेकर आदेश दिया था। इसमें दो दिन 19 और 20 अक्टूबर को ग्रीन पटाखे फोड़ने की इजाजत दी थी।

ग्रीन पटाखे जलने से कम धुआं निकलता है

ग्रीन पटाखे ऐसे पटाखे होते हैं, जिन्हें सामान्य पटाखों के मुकाबले कम प्रदूषण फैलाने के लिए बनाया जाता है। इनमें हानिकारक रसायनों का इस्तेमाल कम किया जाता है, जिससे इनके जलने पर कम धुआं और कम हानिकारक गैसें निकलती हैं

30 सितंबर को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हम पटाखों पर पूरी तरह रोक नहीं लगाएंगे। साथ ही चौबीसों घंटे पटाखे जलाने की अनुमति भी नहीं मिलेगी। बेंच ने कहा था कि बीच का रास्ता निकालना जरूरी है।





कोर्ट में बताया- देश में वायु प्रदूषण से 20 लाख मौतें

कोर्ट ने कहा कि विराट कोहली जैसी मशहूर शख्सियतों की मदद से लोगों को जागरूक किया जा सकता है। कोर्ट ने सुझाव दिया कि मशहूर हस्तियों से ऐसे वीडियो या मैसेज रिकॉर्ड कराए जा सकते हैं, जिनमें वे लोगों से प्रदूषण बढ़ाए बिना दिवाली मनाने की अपील करें। मामले में कोर्ट की सहायता कर रहीं एमिकस क्यूरी और वरिष्ठ वकील उत्तरा बब्बर ने वायु प्रदूषण से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी नुकसान और दिल्ली-ठउफ में पटाखे जलाने के खतरों के बारे में बताया था। उन्होंने



स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर 2025 रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि भारत में मौतों के प्रमुख कारणों में वायु प्रदूषण सबसे आगे है। इसके कारण देश में 20.1 लाख से ज्यादा मौतें हुईं। इनमें से 21% मौतें पांच साल से कम उम्र के बच्चों की थीं।

पटाखों के धुएं का शरीर पर क्या असर पड़ता है?

पटाखों से होने वाले नुकसान को समझने के लिए यह जानना जरूरी है कि उन्हें जलाने पर क्या होता है। पटाखे जलाने से हवा में बड़ी मात्रा में कणीय पदार्थ (पीएम) निकलते हैं। इनमें पीएम 10 और पीएम 2.5 शामिल हैं। ये हवा में मौजूद ठोस कणों और तरल बूंदों का मिश्रण होते हैं। ये कण इतने छोटे होते हैं कि नाक और फेफड़ों में आसानी से पहुंच जाते हैं। फेफड़ों से ये खून में मिल जाते हैं।

सके बाद शरीर के दूसरे हिस्सों में भी पहुंच जाते हैं। यहां तक कि ये इंसानी दिमाग में भी पाए जाते हैं। ये शरीर की सभी झिल्लियों को पार कर सकते हैं।

फ्लाइट टिकट 700% बढ़ाने के दावे वाली याचिका खारिज, याचिकाकर्ता से कहा- फ्लाइट से यात्रा मत करिए

नई दिल्ली/एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बढ़ते हवाई किराए को लेकर जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। याचिकाकर्ता के 700% तक किराया बढ़ने के दावे पर कोर्ट ने कहा, 'आप हवाई यात्रा मत करिए। आगे बढ़िए।' जस्टिस जे. विक्रम नाथ की बेंच के सामने वकील ने दलील दी कि विमान का किराया 700% तक बढ़ गया है।

उन्होंने कहा कि हवाई यात्रा जरूरी सेवा है और किराए में इतनी ज्यादा बढ़ोतरी संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है। हालांकि, कोर्ट ने इन दलीलों पर सुनवाई नहीं की और याचिका खारिज कर दी। भारत में हर साल करीब 24 करोड़ हवाई यात्राएं होती हैं। नागर विमानन मंत्रालय और डीजीसीए के 2024-25 के आंकड़ों के मुताबिक, इनमें 16.55 करोड़ घरेलू और 7.39 करोड़ अंतरराष्ट्रीय यात्री यात्राएं शामिल हैं।



सुप्रीम कोर्ट का सजा पर रोक लगाने की सुकेश चंद्रशेखर की अर्जी पर सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने ठग सुकेश चंद्रशेखर की उस अर्जी पर सुनवाई करने से मना कर दिया जिसमें उसने एक आपराधिक मामले में अपनी सजा पर रोक लगाने की मांग की थी।तीस हजारी कोर्ट ने 29 अगस्त को सुकेश को भारतीय दंड संहिता की धारा 170, 189 एवं 507 के तहत दोषी करार दिया था। सुकेश पर आरोप था कि उसने न्यायिक हिरासत में रहते हुए कांस्टेबल मनजीत के मोबाइल फोन तक पहुंच हासिल की। कांस्टेबल मनजीत के मोबाइल फोन से उसने भ्रष्टाचार मामले की सुनवाई कर रहे स्पेशल जज के आधिकारिक लैंडलाइन नंबर पर संपर्क किया। न्यायालय ने कांस्टेबल मनजीत की भूमिका की दोबारा जांच करने का भी निर्देश दिया था। तीस हजारी कोर्ट ने कहा था कि इस बात की जांच होनी चाहिए कि सुकेश मनजीत के फोन तक कैसे पहुंचा और इस पूरी साजिश में कांस्टेबल मनजीत की क्या भूमिका थी।

सपा यूपी के लिए श्राप, सत्ता में आते ही मचाती है तबाही: सीएम योगी



गोंडा/एजेंसी

यूपी के गोंडा में गौरा विधानसभा के तेजपुर में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हिस्सा लिया। इस मौके पर उन्होंने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। कहा कि सपा प्रदेश के लिए श्राप है। जब-जब वह सत्ता में आई, तबाही लेकर आई। पहले प्रदेश में दंगे और कर्फ्यू होते थे, त्योहारों से पहले ही लोगों को अपनी सुरक्षा की चिंता सताने लगती थी। आज उत्तर प्रदेश दंगा और कर्फ्यू से मुक्त है। मुख्यमंत्री ने दो नवंबर 1990 को अयोध्या में रामजन्मभूमि आंदोलन के दौरान कारसेवकों पर हुई गोलीबारी का जिक्र करते हुए तत्कालीन सपा सरकार को निशाने पर लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दो नवंबर 1990 को अयोध्या में तत्कालीन सरकार ने रामभक्तों पर गोलियां चलवाई थीं। आज भाजपा सरकार रामभक्तों पर फूलों की वर्षा कर रही है और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। पहले दुर्गा पूजा के पंडालों और धार्मिक आयोजनों को लेकर विवाद खड़े किए जाते थे। देवीपाटन मंडल में दुर्गा पूजा की अनुमति तक नहीं मिलती थी। कांवड़ यात्रा पर भी रोक लगाने की कोशिश होती थी। अब नवरात्र और कांवड़ यात्रा जैसे आयोजन शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो रहे हैं।

गरीबों और युवाओं के हक पर डाका डालने का आरोप

मुख्यमंत्री ने सपा सरकार पर गरीबों के हितों की अनदेखी और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। कहा कि उस समय गरीबों के बच्चों की कोई कीमत नहीं थी। गोंडा, बलरामपुर और बहराइच में अज्ञात बीमारी से बच्चों की मौतों के मामले सामने आते थे। स्वास्थ्य विभाग से पूछने पर भी बीमारी का पता नहीं चलता था। पिछली सरकार में गरीबों के हक पर डाका डाला जाता था।

अराजकता से सत्ता हासिल करना चाहती है कांग्रेस: अमित शाह

हैदराबाद/एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह लगातार चुनावी हार का सामना करने के बाद 'अराजकता' के जरिये सत्ता हासिल करने और 'लोकतंत्र को कमजोर करने' की कोशिश कर रही है। उन्होंने यहां अपनी 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा से पहले 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह बात कही। उन्होंने कहा, 'नागरिकों ने इन हमलों से अपने लोकतंत्र की रक्षा करने के लिए कमर कस ली है'। हवाई अड्डे पहुंचने के तुरंत बाद शाह ने यहां चारमीनार स्थित देवी भाग्यलक्ष्मी मंदिर में



दर्शन किए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की इन टिप्पणियों में रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में हुई इंडिया ब्लॉक की रैली का जवाब दिए जाने की उम्मीद थी।

इस रैली में गठबंधन ने भाजपा की आलोचना की थी। इंडिया ब्लॉक ने रविवार को कथित 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर भाजपा को सत्ता से हटाने की मांग की थी।

शाह से मुलाकात पर एनसीपी की सफाई: कहा- मतभेद की खबरें निराधार

मुंबई/एजेंसी

महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के भीतर मतभेद और नेताओं के बीच तालमेल की कमी को लेकर चल रही चचाओं पर पार्टी ने सफाई दी है। एनसीपी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से दिल्ली में हुई पार्टी नेताओं की मुलाकात को पूरी तरह औपचारिक और पहले से तय बताया है। पार्टी ने उन खबरों को गलत और भ्रामक करार दिया है, जिनमें दावा किया गया था कि महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री और एनसीपी अध्यक्ष सुनेत्रा पवार तथा राज्यसभा सांसद पार्थ पवार को इस



बैठक से दूर रखा गया। पार्टी का कहना है कि इस मुलाकात को अंदरूनी विवाद से जोड़ना गलत है और एनसीपी सुनेत्रा पवार के नेतृत्व में एकजुट है। एनसीपी के राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता उमेश पाटिल ने सोमवार को हुई मुलाकात को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब दिया। उन्होंने बताया कि पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे, दिलीप वलसे पाटिल, हसन मुश्रीफ, छगन भुजबल और धनंजय मुंडे ने दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात की थी।

पीएम आज पुणे मेट्रो की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे

नई दिल्ली/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को पुणे मेट्रो की करीब 21,800 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इनमें 8,300 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित मेट्रो की पिंक लाइन का उद्घाटन और करीब 13,500 करोड़ रुपये की लागत वाले दूसरे चरण की चार लाइनों का शिलान्यास शामिल है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से सोमवार को जारी बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी 3 नवंबर को दोपहर 12:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इन परियोजनाओं का उद्घाटन और



शिलान्यास करेंगे। इस अवसर पर वह सभा को भी संबोधित करेंगे। करीब 23 किलोमीटर लंबी पिंक लाइन मान से जिला न्यायालय मेट्रो स्टेशन तक जाएगी। यह पुणे के प्रमुख आईटी केंद्र हिंजेवाड़ी को शिवाजीनगर से जोड़ेगी। इससे आईटी क्षेत्र में काम करने वाले हजारों पेशेवरों और अन्य यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। इस लाइन का संचालन पूरी तरह महिला ट्रेन चालकों द्वारा किया जाएगा। परियोजना की एक अन्य विशेषता यह है कि इसकी कुल बिजली जरूरत का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा सौर ऊर्जा से पूरा किया जाएगा। मोदी पुणे मेट्रो के दूसरे चरण की आधारशिला भी रखेंगे। लगभग 13,500 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाले इस चरण में लाइन 2ए, 2बी, 4 और 4ए का निर्माण किया जाएगा। इनसे शहर के प्रमुख आवासीय, व्यावसायिक और आईटी क्षेत्रों तक मेट्रो संपर्क का विस्तार होगा। दूसरे चरण के तहत लाइन 2ए वनाज से चांदनी चौक और लाइन 2बी रामवाड़ी से विट्ठलवाड़ी को जोड़ेगी। इन दोनों लाइनों की कुल लंबाई लगभग 12.75 किलोमीटर होगी। वहीं, 25.52 किलोमीटर लंबी लाइन-4 खराड़ी से खड़कवासला और 6.12 किलोमीटर लंबी लाइन-4ए नल स्टॉप से मानिक बाग तक जाएगी।

अब छोटे भूकंपों पर भी रहेगी नजर: देशभर में खुलेंगी 100 नई वेधशालाएं

जम्मू

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय देश भर में 100 नई भूकंपीय वेधशालाएं स्थापित करने की योजना बना रहा है। इनमें जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में चार-चार वेधशालाएं शामिल होंगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसका उद्देश्य भूकंप की निगरानी को मजबूत करना और 2.5 तीव्रता तक के छोटे भूकंपों का पता लगाने की क्षमता में सुधार करना है।

एमओईएस के सचिव ने क्या बताया?

एमओईएस के सचिव श्रीनिवास कुमार तुम्माला ने बताया कि 'नेशनल सिस्मोलॉजिकल नेटवर्क' (राष्ट्रीय भूकंपीय नेटवर्क) का काफी विस्तार हुआ है। इसके स्टेशनों की संख्या 2014 में 84 थी, जो अब बढ़कर 183 हो गई है। उन्होंने यह बात किश्तवाड़ में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह द्वारा देश की 183वीं भूकंपीय वेधशाला के उद्घाटन के दौरान कही। तुम्माला ने कहा, 'पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की योजना देश भर में 100 और भूकंपीय वेधशालाएं स्थापित करने की है।

नौसेना को मिलेंगे 8 नए युद्धपोत:मिसाइल और सेंसर सिस्टम से लैस होंगे; दो भारतीय कंपनियां बनाएंगी

नई दिल्ली/एजेंसी

रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के लिए 8 नए युद्धपोत बनाने के लिए 53,866.50 करोड़ के समझौते पर साइन किए हैं। ये नेक्स्ट जनरेशन कॉर्वेट यानी नई पीढ़ी के युद्धपोत होंगे। इनमें आधुनिक मिसाइल, हथियार और सेंसर सिस्टम लगाए जाएंगे। इन युद्धपोतों को बनाने की जिम्मेदारी दो भारतीय कंपनियों को दी गई है। इनमें कोलकाता की गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड पांच और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड तीन युद्धपोत बनाएगी। सोमवार को नई दिल्ली के कर्तव्य भवन-2 में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में इस समझौते पर साइन किए गए।

दुश्मन के जहाजों और पनडुब्बियों पर नजर रखेंगे



नेक्स्ट जनरेशन कॉर्वेट में आधुनिक मिसाइल, हथियार और सेंसर सिस्टम लगाए जाएंगे। इनकी मदद से नौसेना हवा, समुद्र की सतह और पानी के नीचे से आने वाले खतरों का मुकाबला कर सकेगी। इन जहाजों का इस्तेमाल समुद्री व्यापार के रास्तों की सुरक्षा, दुश्मन के जहाजों और पनडुब्बियों के खिलाफ कार्रवाई और तटीय सुरक्षा के लिए किया जाएगा। ये समुद्र के किनारे सैन्य अभियान चलाने और निगरानी रखने में भी मदद करेंगे।

भारत में बने सामान और तकनीक का इस्तेमाल होगा

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इन युद्धपोतों में 70% से ज्यादा सामान भारत में बनाया जाएगा। इनका डिजाइन भी भारतीय नौसेना तैयार करेगी।

आजम खान ने ईडी की गिरफ्तारी को सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता आजम खान की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई को तैयार हो गया है। सोमवार को आजम खान की ओर से पेश वकील निजाम पाशा ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष याचिका मेंशन करते हुए तत्काल सुनवाई की मांग की। न्यायालय ने तत्काल सुनवाई करने से इनकार करते हुए इसी हफ्ते सुनवाई करने का आदेश दिया। मेंशनिंग के दौरान शुरूआत में न्यायालय ने निजाम पाशा को उच्च न्यायालय जाने को कहा। हालांकि, बाद में मामले को इसी सप्ताह किसी समय लिस्ट करने का आश्वासन दिया।

वीबी-जी राम जी अधिनियम: केंद्र ने शिकायतों के निपटारे के लिए नए नियम अधिसूचित किए

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्र सरकार ने वीबी-जी राम जी अधिनियम, 2025 के तहत ग्रामीण रोजगार योजना के क्रियान्वयन से जुड़ी शिकायतों के निपटारे के लिए नए नियम अधिसूचित किए हैं। इस नियम के तहत ग्रामीण रोजगार योजना के क्रियान्वयन से जुड़ी शिकायतों का समाधान 15 दिनों के भीतर करना अनिवार्य होगा। तय समयसीमा में शिकायत का निपटारा नहीं होने पर उसे उच्च स्तर के अधिकारी के पास भेजा जाएगा। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) शिकायत निवारण



नियम, 2026 के तहत राज्य सरकारों को ग्राम पंचायत, ब्लॉक और जिला स्तर पर तीन स्तरीय शिकायत निवारण व्यवस्था स्थापित करनी होगी। इन तीनों स्तरों पर शिकायत निवारण अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। ये अधिकारी शिकायतें प्राप्त करने, उनका पंजीकरण करने, जांच करने और उनका निपटारा करने के लिए जिम्मेदार होंगे।

कैसे दर्ज होगी शिकायत?

मंत्रालय के मुताबिक, लोग अपनी शिकायतें व्यक्तिगत रूप से, स्पीड पोस्ट, निर्धारित डिजिटल प्लेटफॉर्म, टेलीफोन हेल्पलाइन या राज्य सरकार की ओर से तय किसी अन्य माध्यम से दर्ज करा सकेंगे। नियमों में स्पष्ट किया गया है कि शिकायत के प्रारूप, भाषा, उसे जमा करने के तरीके या किसी प्रक्रियागत कमी के आधार पर उसका पंजीकरण करने से इनकार नहीं किया जा सकेगा। ग्राम पंचायत, ब्लॉक या जिला स्तर पर व्यक्तिगत रूप से प्राप्त सभी शिकायतों को उसी दिन निर्धारित डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दर्ज करना होगा। यदि ऐसा करना संभव नहीं है तो अगले कार्यदिवस तक उनका पंजीकरण करना अनिवार्य होगा। शिकायतकर्ता को पंजीकरण संख्या, शिकायत मिलने की तारीख और उसे प्राप्त करने वाले अधिकारी के पदनाम के साथ पावती दी जाएगी।

संपादकीय

ये कैसा लड़कपन है

हम बच्चों को संवेदनहीन और निर्मम बना रहे हैं

पंचकूला के एक निजी स्कूल में घटी इस घटना ने हर संवेदनशील इंसान को झकझोरा है। स्कूली छात्रों में नोक-झोंक, वाद-विवाद, मतभेद-मनभेद हमेशा होते रहे हैं। ऐसे में टीचर या अभिभावक तक शिकायत करके बात खत्म हो जाती थी। लेकिन यह आठ साल का बच्चा, जिस क्रूरता से केजी की बच्ची को खत्म करने की कोशिश में लगा था, उसने हमारे नीति-नियंताओं, शिक्षकों, अभिभावकों और आम लोगों तक को स्तब्ध कर दिया।

मोबाइल पर हिंसक फ्री-फायर गेम खेलना बताया जा रहा है। जो एक ऑनलाइन एक्शन व शूटिंग आधारित गेम है। जिसमें खिलाड़ी हथियार, गोलियों और अन्य घातक साधनों से प्रतिद्वंद्वी का मुकाबला करते हैं। हमें इस बात को स्वीकार करना होगा कि बच्चों को छोटी उम्र में मोबाइल उपलब्ध कराने के घातक परिणाम भी हो सकते हैं। आमतौर पर अभिभावक अपने काम करने या आराम करने के दौरान बच्चों को बहलाने के लिये मोबाइल पकड़ा देते हैं। लेकिन यह भूल जाते हैं कि इंटरनेट पर प्रसारित होने वाले हिंसक कार्यक्रम बच्चों को कितने गहरे तक प्रभावित करते हैं। बच्चे का दिमाग एक कोरी स्लेट की तरह से होता है। उस पर जैसी छाप बचपन में पड़ती है, वही भविष्य में उसकी सोच व जीवन की दिशा निर्धारित करती है। जिस पश्चिमी संस्कृति व जीवन शैली पर आधारित गेम्स का इन दिनों मोबाइल पर प्रचलन है, वे बच्चों को संवेदनहीन और निर्मम बना रहे हैं। बच्चों में लगातार अधैर्य, अशांति व आक्रामकता बढ़ रही है। बच्चों को ये लगता है कि व्यावहारिक जीवन में भी ऐसा ही व्यवहार सामान्य बात है। बच्चों के व्यवहार में आ रहा यह बदलाव एक घातक संकेत है। हमारे नीति-नियंताओं और शिक्षकों-अभिभावकों को सजग-सतर्क होकर इस संकट के समाधान की दिशा में गंभीर प्रयास करना होगा। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में एक आठ साल का बच्चा, छह साल की बच्ची को क्रूरता के साथ पीटता-कुचलता नजर आया। पंचकूला के एक निजी स्कूल में घटी इस घटना ने हर संवेदनशील इंसान को झकझोरा है। स्कूली छात्रों में नोक-झोंक, वाद-विवाद, मतभेद-मनभेद हमेशा होते रहे हैं। ऐसे में टीचर या अभिभावक तक शिकायत करके बात खत्म हो जाती थी। लेकिन यह आठ साल का बच्चा, जिस क्रूरता से केजी की बच्ची को खत्म करने की कोशिश में लगा था, उसने हमारे नीति-नियंताओं, शिक्षकों, अभिभावकों और आम लोगों तक को स्तब्ध कर दिया। बच्चे ने इस हमले को सुनियोजित तरीके से, समय-जगह का चुनाव करके अंजाम दिया। वह समय चुना जब उसके अपराध को देखने वाला कोई नहीं था। विज्ञान का धन्यवाद, जिसने सीसीटीवी कैमरा हमें उपलब्ध कराया। अन्यथा कोई विश्वास नहीं करता कि इतना छोटा बच्चा एक पेशेवर अपराधी की तरह वारदात को अंजाम देगा। हो सकता था रिकॉर्डिंग न होने पर किसी निर्दोष के सिर इस हमले का आरोप लग जाता। निस्संदेह, इस हादसे में स्कूल प्रशासन की गंभीर चूक है। आखिर स्कूल से अंतिम बच्चे के बाहर निकलने तक सुरक्षा की जिम्मेदारी क्यों नहीं निभायी गई? अब स्कूल पढ़ने जा रही छोटी बच्चियों व बच्चों के मां-बाप इस घटना से भयाक्रांत हैं कि क्या उनका बच्चा स्कूल में सुरक्षित है? शिक्षकों को भी इस बात को गंभीरता से समझना होगा कि बदलते दौर में बच्चे पहले जैसे नहीं रहे।

आज का विचार

रुकी हुई हूं इक ऐसे सवाल पर 'शबनम'
जवाब जिस का हमेशा मुहाल होता है
-शबनम शकील

तेज विकास के दावे के बीच समृद्धि कहां गायब है?

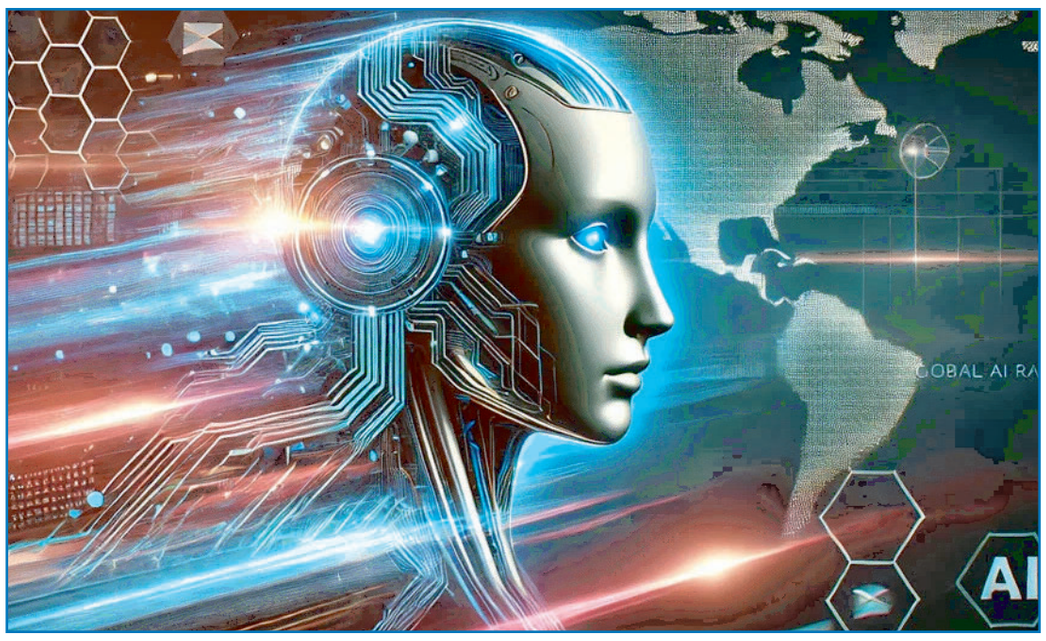
एक उबर ड्राइवर का कहना है कि वह पहले से ज्यादा घंटे काम करता है फिर भी उसके हाथ में कम पैसे आते हैं। ईंधन, गाड़ी के रख-रखाव, लोन की किस्तों और प्लेटफॉर्म की कटौतियों के बाद उसके पास बहुत कम पैसे बचते हैं। उसके अनुभव से यह तय नहीं किया जा सकता कि पूरी अर्थव्यवस्था कैसा प्रदर्शन कर रही है लेकिन वह एक वाजिब सवाल पूछता है- अगर भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है तो गुजारा करना मुश्किल क्यों होता जा रहा है?

एक उबर ड्राइवर का कहना है कि वह पहले से ज्यादा घंटे काम करता है फिर भी उसके हाथ में कम पैसे आते हैं। ईंधन, गाड़ी के रख-रखाव, लोन की किस्तों और प्लेटफॉर्म की कटौतियों के बाद उसके पास बहुत कम पैसे बचते हैं। उसके अनुभव से यह तय नहीं किया जा सकता कि पूरी अर्थव्यवस्था कैसा प्रदर्शन कर रही है लेकिन वह एक वाजिब सवाल पूछता है- अगर भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है तो गुजारा करना मुश्किल क्यों होता जा रहा है? इससे एर्मा बॉमबेक की किताब का शीर्षक याद आता है : 'इफ लाइफ इज अ बाउल ऑफ चेरीज, वॉट एम आई डूईंग इन द पिट्स?' अगर भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है तो गुजारा करना मुश्किल क्यों होता जा रहा है?



अजीत रानाडे
वरिष्ठ अर्थशास्त्री

अप्रैल-जून तिमाही में भारत की जीडीपी 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी जो कि एक शानदार आंकड़ा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य एजेंसियों ने पूरे साल के लिए विकास के अनुमानों को बढ़ाया है। वैश्विक अनिश्चितता के बीच तेज विकास दर को बनाए रखना एक बड़ी उपलब्धि है। यह लेख 7.8 प्रतिशत के आंकड़े को लेकर चल रहे विवाद के बारे में नहीं है। हम इस आंकड़े को सही मान सकते हैं। तो क्या यह निराशा बहुत ज्यादा नकारात्मक सोच को दशार्ती है? समृद्धि के साथ उम्मीदें भी बढ़ती हैं। हर बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था में कुछ ऐसे व्यवसाय होते हैं जो संघर्ष कर रहे होते हैं और कुछ ऐसे नौकरी चाहने वाले होते हैं जो निराश होते हैं।



कुछ लोगों से हुई बातचीत के आधार पर भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश की स्थिति का सही आकलन नहीं किया जा सकता।

फिर भी, बेचैनी के सबूत सिर्फ कुछ लोगों के अनुभवों तक सीमित नहीं हैं। रिजर्व बैंक के सितंबर महीने के 'शहरी उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण' में वर्तमान स्थिति सूचकांक दर्ज किया गया। यह मार्च 2023 के बाद का सबसे निचला स्तर है और 100 के तटस्थ (न्यूट्रल) स्तर से भी नीचे है। सर्वेक्षण में शामिल लगभग 54.5 प्रति सैकड़ा लोगों का मानना था कि पिछले एक साल में आर्थिक स्थिति खराब हुई है, जबकि 25.3 फीसदी लोगों को लगा कि इसमें सुधार हुआ है।

ग्रामीण इलाकों से मिले जवाब भी काफी कुछ बताते हैं। केवल 20.6 प्रतिशत लोगों ने बताया कि उनकी आय एक साल पहले की तुलना में बढ़ी है, जबकि 30.5 फीसदी का कहना था कि उनकी आय में गिरावट आई है। इस तरह के नतीजे आम धारणाओं या राजनीतिक टिप्पणियों की तुलना में परिवारों की परेशानी को एक ठोस आधार देते हैं। हालांकि आरबीआई के सर्वेक्षणों में व्यापक निराशावाद नहीं दिखता। शहरी परिवार आने वाले वर्ष को लेकर आशावादी बने रहे। इस प्रकार वर्तमान असंतोष सुधार की उम्मीदों के साथ-साथ मौजूद है। अर्थव्यवस्था को एक समान रूप से संकटग्रस्त बताना इस प्रमाण की अनदेखी करना होगा।

तेज जीडीपी वृद्धि और घरेलू चिंता के बीच कोई आवश्यक विरोधाभास नहीं है। जीडीपी अर्थव्यवस्था में उत्पादन को मापता है। यह स्थापित नहीं करता कि अतिरिक्त आय कितनी व्यापक रूप से वितरित है, क्या रोजगार सुरक्षित है या समान जीवन स्तर बनाए रखने के लिए किसी को कितना अधिक काम करना पड़ता है। मान लीजिए कि एक करोड़पति एक कमरे में प्रवेश करता है। औसत संपत्ति तुरंत बढ़ जाती है हालांकि वहां पहले से मौजूद कोई भी व्यक्ति अमीर नहीं हो जाता। यहां तक कि प्रति व्यक्ति जीडीपी जो जनसंख्या के अनुसार उत्पादन को समायोजित करता है, यह नहीं बता सकता कि एक सामान्य परिवार पर क्या प्रभाव पड़ा है। विकास की संरचना मायने रखती है। पूंजी-प्रधान गतिविधियां और विशिष्ट सेवाएं अपेक्षाकृत कम लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार देते हुए भी पर्याप्त उत्पादन और आय उत्पन्न कर सकती हैं।

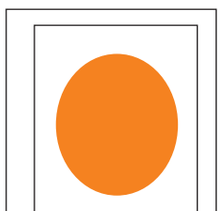
कॉर्पोरेट लाभ मजदूरी की तुलना में कहीं अधिक तेजी से बढ़ सकते हैं और ऐसा वास्तव में हुआ है। इन गतिविधियों में केंद्रित विकास, विभिन्न व्यवसायों और कौशल स्तरों में प्रचुर मात्रा में रोजगार सृजित करने वाले विस्तार से अलग महसूस होगा। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर दुव्वुरी सुब्बाराव ने ग्रामीण क्षेत्रों में कम वास्तविक मजदूरी और अच्छे रोजगारों के अपर्याप्त सृजन सहित इन्हीं संरचनात्मक चिंताओं की ओर ध्यान दिलाया है। ये चिंताएं बुनियादी ढांचे, बैंकिंग और डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में हासिल की गई उपलब्धियों के साथ-साथ मौजूद हैं। युवाओं की बेचैनी को इसी पृष्ठभूमि में समझने की जरूरत है। परिवारों ने शिक्षा पर निवेश किया है जिसके लिए अक्सर उन्हें काफी त्याग करना पड़ा है। जब स्थायी रोजगार नहीं मिल पाता तो निराशा होनी स्वाभाविक है। परीक्षाओं में देरी और पेपर लीक जैसी घटनाएं इस निराशा को और बढ़ा देती हैं। ये अनुभव उत्पादन में हो रही वृद्धि और युवाओं के लिए उपलब्ध अवसरों के बीच के अंतर को उजागर करते हैं। परिवारों की क्रय शक्ति (खरीदने की क्षमता) भी इसका एक कारण है। परिवार अपनी आर्थिक स्थिति का अंदाजा खाने-पीने के खर्च, किराए, स्कूल की फीस, स्वास्थ्य सेवाओं और आने-जाने के खर्चों से लगाते हैं। महंगाई दर कम होने का मतलब यह नहीं है कि पहले से बढ़ी हुई कीमतें कम हो गई हैं। अगर कमाई, बढ़ते खर्चों के साथ कदम नहीं मिला पाती तो कम महंगाई के दौर में भी लोगों को कोई खास राहत नहीं मिलती। किसानों के लिए स्थानीय हालात राष्ट्रीय विकास के आंकड़ों से कहीं ज्यादा मायने रखते हैं। महाराष्ट्र में सूखा पड़ने से फसल और कमाई पर खतरा मंडराने लगता है जबकि खेती का खर्च और कर्ज चुकाने की जिम्मेदारी बनी रहती है। अन्य क्षेत्रों में हो रही प्रगति, फसल बर्बाद होने की स्थिति में किसानों को तुरंत कोई खास सुरक्षा नहीं दे पाती। शेयर बाजार का पहलू भी इसमें एक अहम भूमिका निभाता है। पिछले दो सालों से विदेशी निवेशक लगातार अपना पैसा निकाल रहे हैं जबकि घरेलू निवेशक हर महीने 30,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश कर रहे हैं। ऐसी चर्चाएं हैं कि सरकार 'कैपिटल गेन्स टैक्स' में राहत देने पर विचार कर रही है क्योंकि शेयर बाजार सूचकांक (इंडेक्स) ने बहुत खराब रिटर्न दिया है। इस खराब रिटर्न ने वेतन में धीमी वृद्धि की समस्या को और गंभीर बना दिया है। अब चूंकि शेयर बाजार में आम लोगों (रिटेल निवेशकों) की भागीदारी बढ़ी है इसलिए निवेश पर मिलने वाला निराशाजनक रिटर्न मध्यम वर्ग के एक बड़े हिस्से के भरोसे को प्रभावित कर रहा है। वेतन में ठहराव, बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई, परिवारों पर बढ़ता कर्ज और सड़क, स्कूल तथा पीने के पानी जैसी जरूरी सार्वजनिक सेवाओं की बदतर हालत जैसी कई वजहों से निराशा का माहौल और गहरा गया है।

अगर सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और परिवहन व्यवस्था बेहतर हो जाए तो परिवारों को इन पर किया जाने वाला खर्च कम हो जाएगा और उनके जीवन स्तर में सुधार आएगा। अच्छी गुणवत्ता वाली नौकरियों का सृजन बहुत सुस्त है। भारत के विकास प्रदर्शन पर ध्यान दिया जाना चाहिए। साथ ही, परिवारों के बीच किए गए सर्वेक्षणों में जो बेचैनी दिखी है उस पर भी गौर करना जरूरी है।

एक अर्थव्यवस्था कुल मिलाकर मजबूत हो सकती है लेकिन इसके बावजूद बहुत से लोग आर्थिक रूप से असुरक्षित रह सकते हैं। लगातार विकास होने से ऐसे संसाधन जुटते हैं जिनसे इस असुरक्षा को दूर किया जा सके। इसकी सफलता का असर तब व्यापक रूप से महसूस होगा जब राष्ट्रीय उत्पादन के साथ-साथ लोगों की कमाई, उनके लिए उपलब्ध अवसर और रोजमर्रा के जीवन की स्थितियों में भी सुधार आएगा।

राहुल गांधी और विपक्ष की राजनीति का विरोधाभास

प्रधानमंत्री बनने की पारंपरिक राजनीति से अलग रहकर राहुल गांधी ने अपने लिए एक ऐसी भूमिका खोजी है, जिसकी आज के भारतीय लोकतंत्र में बहुत कम गुंजाइश बची है। वे ऐसे राजनीतिक असहमत व्यक्ति के रूप में उभरे हैं, जो केवल सरकार की नीतियों का विरोध नहीं करता, बल्कि सत्ता की पूरी व्यवस्था, उसके राजनीतिक आधार और उसके द्वारा निर्धारित सार्वजनिक बहस की सीमाओं को चुनौती देता है।



सतीश झा
स्वतंत्र लेखक

उनकी रणनीति में एक अंतर्निहित विश्वास दिखाई देता है।

राहुल गांधी के राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि वे प्रधानमंत्री बनने की संभावना के मुकाबले विपक्ष के नेता के रूप में कहीं अधिक महत्वपूर्ण साबित हुए हैं। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन यानी यूपीए के शासनकाल में उन्हें कांग्रेस और सरकार के भावी नेतृत्व के रूप में देखा जाता था। लेकिन तब उनकी राजनीति में कोई खास स्वतंत्रता या मौलिकता नजर नहीं आती थी। वे एक ऐसी सत्ता व्यवस्था के उत्तराधिकारी दिखाई देते थे, जो केंद्रीय नेतृत्व के संरक्षण, प्रशासनिक प्रबंधन और पहले से स्थापित राजनीतिक सहमतियों के सहारे चल रही थी। मानो उन्हें उसी व्यवस्था की कमान संभालनी थी, जिसे कांग्रेस ने दशकों में विकसित किया था।

लेकिन आज परिस्थितियाँ बदल गई हैं। बहुसंख्यकवादी राजनीति के प्रभुत्व के दौर में सत्ता से उनकी दूरी कमजोरी के बजाय एक तरह की स्वतंत्रता बन गई है। प्रधानमंत्री बनने की पारंपरिक राजनीति से अलग रहकर राहुल गांधी ने अपने लिए एक ऐसी भूमिका खोजी है, जिसकी आज के भारतीय लोकतंत्र में बहुत कम गुंजाइश बची है। वे ऐसे राजनीतिक असहमत व्यक्ति के रूप में उभरे हैं, जो केवल सरकार की नीतियों का विरोध नहीं करता, बल्कि सत्ता की पूरी व्यवस्था, उसके राजनीतिक आधार और उसके द्वारा निर्धारित सार्वजनिक बहस की सीमाओं को चुनौती देता है।

राहुल गांधी की इस बदली हुई राजनीति को समझने के लिए उनके अस्वीकार के स्वभाव को समझना जरूरी है। यह अस्वीकार केवल नैतिक श्रेष्ठता दिखाने या सत्ता की जिम्मेदारी से बचने का तरीका नहीं है। इसका अर्थ उस राजनीतिक स्थिति का प्रतिरोध करना है, जिसमें सत्ता अपने पक्ष में सार्वजनिक बहस को लगभग बंद कर देना चाहती है। लोकतंत्र में किसी राजनीतिक व्यवस्था का प्रभुत्व केवल चुनाव जीतने से स्थापित नहीं होता। वह इस बात से भी बनता है कि कौन से सवाल पूछे जा सकते हैं, किन आँकड़ों को सही माना जाएगा, किन समस्याओं पर राष्ट्रीय बहस होगी और किन नागरिकों की पीड़ा को देश की समस्या समझा जाएगा।

जब सत्ताधारी व्यवस्था इन सीमाओं को तय करने लगती है, तब असहमति अपने आप में एक लोकतांत्रिक काम बन जाती है। इसका मतलब है कि राजनीति में दूसरे विचारों और दूसरी संभावनाओं के लिए जगह बनी रहे। भले सरकार और उसके अनुकूल मीडिया यह मानकर चलें कि किसी मुद्दे पर बहस समाप्त हो चुकी है, विपक्ष का काम उस बहस को फिर खोलना है। राहुल गांधी की राजनीति इसी आग्रह पर आधारित दिखाई देती है। वे उन सवालों को उठाते हैं, जिन्हें सत्ता अपने राजनीतिक विमर्श से बाहर रखना चाहती है।

यूपीए के शासनकाल में राहुल गांधी ने केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होने से इनकार किया था। फिर 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। लंबे समय तक उनके आलोचकों ने इन फैसलों को जिम्मेदारी से बचने की प्रवृत्ति माना। कहा गया कि वे सत्ता चाहते हैं, लेकिन प्रशासनिक जिम्मेदारी उठाने को तैयार नहीं हैं। उनके राजनीतिक नेतृत्व पर भी सवाल उठते रहे।



मगर यही दूरी बाद में उनकी राजनीतिक ताकत का आधार बनी। सत्ता हासिल करने की तत्काल चिंता से मुक्त होकर वे ऐसी बातें कह सके, जिन्हें सरकार बनाने की कोशिश में लगा कोई नेता शायद इतनी स्पष्टता से नहीं कह पाता। उन्होंने राजनीति को फिर सड़कों पर ले जाने का रास्ता चुना। भारत जोड़ो यात्रा इसी बदलाव की सबसे महत्वपूर्ण अभिव्यक्ति थी।

इस यात्रा के जरिए राहुल गांधी ने दो व्यवस्थाओं को एक साथ दरकिनार किया। पहली, मीडिया की वह व्यवस्था, जिसमें राजनीतिक चर्चा के विषय और उसकी दिशा काफी हद तक पहले से तय रहती है।

दूसरी, कांग्रेस संगठन की वह मध्यवर्ती नेतृत्व व्यवस्था, जो स्थानीय समीकरणों, समझौतों और सत्ता की संभावनाओं के हिसाब से काम करने की आदी रही है। राहुल गांधी सीधे लोगों के बीच गए। उन्होंने आर्थिक असमानता, नौजवानों की बेरोजगारी, सामाजिक अन्याय और संवैधानिक अधिकारों को अलग-अलग समस्याओं के बजाय एक व्यापक राष्ट्रीय सवाल के रूप में प्रस्तुत किया।

इस राजनीति की विशेषता यह है कि वह सत्ता में आए बिना भी राष्ट्रीय बहस की दिशा बदल सकती है। विपक्ष की सफलता हमेशा चुनाव जीतने या सरकार बनाने से ही नहीं मापी जा सकती। कभी-कभी उसकी सफलता यह होती है कि वह सरकार को ऐसे सवाल का जवाब देने के लिए मजबूर कर दे, जिसे सरकार पहले स्वीकार करने को तैयार नहीं थी।

जातिगत जनगणना का मुद्दा इसका एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। राहुल गांधी ने सामाजिक और आर्थिक असमानता के सवाल को जातिगत प्रतिनिधित्व तथा संसाधनों के वितरण से जोड़ा। उन्होंने बार-बार पूछा कि देश की विभिन्न जातियों और सामाजिक समूहों की वास्तविक आबादी कितनी है और सत्ता, प्रशासन तथा आर्थिक अवसरों में उनकी कितनी भागीदारी है। बिहार में हुई जाति आधारित गणना, क्षेत्रीय दलों के दबाव और राहुल गांधी के राष्ट्रीय अभियान ने मिलकर इस सवाल को राजनीति के केंद्र में पहुँचा दिया। अंततः 30 अप्रैल 2025 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आगामी जनगणना में जातिगत गणना शामिल करने का निर्णय लिया। यह केवल एक प्रशासनिक फैसला नहीं था। इससे यह भी स्पष्ट हुआ कि विपक्ष किसी मुद्दे को लगातार उठाकर सरकार को उस राजनीतिक जमीन पर आने के लिए बाध्य कर सकता है, जिसे पहले विपक्ष ने तैयार किया था।

इस तरह राहुल गांधी ने सामाजिक असमानता के प्रश्न को राजनीतिक बहस का केंद्रीय विषय बनाने में भूमिका निभाई। लेकिन उनकी इसी राजनीति की एक दूसरी समस्या भी है। जो गुण उन्हें विपक्ष का महत्वपूर्ण नेता बनाते हैं, वही उनकी राजनीतिक सीमाओं को भी उजागर करते हैं।

दैनिक महाराष्ट्र समचार मलिक मुद्रक प्रकाशांन व संपादक अकबर खान प्लोट ने 302, वी पी वर्डे रोड ए ,आर औटो वोर्क्स बिहाइंड गेटी सिनेमा बांद्रा वैस्ट मुंबई -400050 महाराष्ट्र, मोबाइल नंबर 9152073782. प्राचीता प्रिंट प्राइवेट लिमिटेड- गला न:13 मकबा बिल्डिंग नियर एस ब्रिज एन एम जोशी मर्ग भैकल्ला वैस्ट मुंबई- 400027. किसी भी सुरत में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

राहुल गांधी के नेतृत्व में आयोजित रैली अभूतपूर्व रही,देशभर से उमड़े कांग्रेस कार्यकर्ता और इंडिया गठबंधन के नेता: निजामुद्दीन राइन

मुंबई / अकबर खान





मुंबई : चलो दिल्ली वोट बचाओ देश बचाओ रैली की सफलता पर कांग्रेस प्रवक्ता निजामुद्दीन राइन ने देशभर के कांग्रेसी मुख्यमंत्री, नेताओं, कार्यकर्ताओं और इंडिया गठबंधन के सहयोगियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कल आयोजित रैली में जिस तरह का अनुशासन देखने को मिला, जिस उत्साह के साथ लोगों ने भाग लिया और जिस तरह से कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे की मदद की, वह अपने आप में अभूतपूर्व था।

निजामुद्दीन राहीन ने रैली में शामिल हुए देशभर के कोंग्रेसी मुख्यमंत्रियों, का आभार जताया वही कांग्रेसजनों और इंडिया गठबंधन के सभी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम ने देशभर में एकजुटता का संदेश दिया है।

उन्होंने मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़, महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष हर्षवर्धन सकपाल, आमदार अमीन पटेल, व आमदार असलम शैख़ और मुंबई से बड़ी संख्या में रैली में शामिल हुए सभी कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को विशेष बधाई दी।

राइन ने कहा कि भविष्य में भी जब इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे, तो सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को इसी उत्साह और अनुशासन के साथ भाग लेना चाहिए।

अंत में उन्होंने पार्टी की ओर से सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में आयोजित यह कार्यक्रम देश के संविधान की रक्षा, देश की दिशा और दशा में बदलाव तथा नौजवानों के भविष्य को सुरक्षित रखने के संकल्प को आगे बढ़ाने वाला है।

मुंबई के कांदिवली में 15 साल की लड़की की मौत, पुलिस ने दर्ज किया मामला

मुंबई के ठाकुर विलेज स्थित अल्पिन टॉवर में 15 वर्षीय लड़की की मौत हुई। पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

मुंबई / अकबर खान



मुंबईः कांदिवली पूर्व स्थित ठाकुर विलेज के अल्पिन टॉवर में 15 वर्षीय लड़की की मौत का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। लड़की को कांदिवली पश्चिम के शताब्दी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की है।

देर रात मिली थी घटना की सूचना

यह घटना 1 नवंबर की देर रात हुई। पुलिस को रात करीब 1 बजकर 53 मिनट पर इसकी जानकारी मिली थी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जरूरी कार्रवाई की। लड़की को परिजन शताब्दी अस्पताल लेकर गए थे, जहां 2 नवंबर की रात 2 बजकर 22 मिनट पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पिता का बयान दर्ज

पुलिस ने इस मामले में लड़की के पिता का बयान दर्ज किया है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, पिता ने किसी पर संदेह नहीं जताया है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पंचनामा किया और आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू की।

मौत की वजह अभी स्पष्ट नहीं

फिलहाल लड़की की मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है। शव का पोस्टमार्टम कराया जाना था, ताकि मौत की वजह का पता लगाया जा सके। पोस्टमार्टम की अंतिम रिपोर्ट और पुलिस की आगे की जांच से ही इस मामले में स्थिति स्पष्ट होगी। फिलहाल पुलिस मामले से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है। मौत के कारण को लेकर किसी तरह का निष्कर्ष सामने नहीं आया है।

भारतीय रेलवे ने मनाया राष्ट्रीय एकता दिवस और 'स्वच्छता ही सेवा 2026' अभियान

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं CEO सतीश कुमार ने दिलाई राष्ट्रीय एकता की शपथ, सफाई मित्रों को किया सम्मानित

मुंबई / अकबर खान





भारतीय रेलवे की ओर से 30 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली स्थित रेल भवन में राष्ट्रीय एकता दिवस और 'स्वच्छता ही सेवा 2026 - विशेष अभियान 6.0' के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं CEO सतीश कुमार ने रेल भवन में अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर रेलवे बोर्ड के सदस्य, महानिदेशक, वरिष्ठ अधिकारी और मंत्रालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर हर वर्ष 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है। देश की रियासतों का भारतीय संघ में विलय कराने और भारत की एकता एवं अखंडता को मजबूत करने में उनका ऐतिहासिक योगदान रहा है।

सफाई मित्रों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

'स्वच्छता ही सेवा 2026' अभियान के तहत रेल भवन में स्वच्छता और साफ-सफाई को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान सफाई मित्रों के स्वास्थ्य और कल्याण को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाए गए। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं CEO सतीश कुमार ने रेल भवन में स्वच्छता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सफाई मित्रों को सम्मानित किया। हाउसकीपिंग और बागवानी विभाग के कर्मचारियों को भी उनके समर्पण और मेहनत के लिए सम्मानित किया गया।

सेवानिवृत्त 11 कर्मचारियों का भी हुआ सम्मान

कार्यक्रम के दौरान भारतीय रेलवे में लंबे समय तक अपनी सेवाएं देने के बाद सेवानिवृत्त हुए 11 कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। इन कर्मचारियों ने अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा रेलवे और देश की जनता की सेवा में समर्पित किया।

स्वच्छता और आपसी सहयोग का दिया संदेश

इस कार्यक्रम के माध्यम से कार्यालयों को स्वच्छ और हरित बनाए रखने के साथ-साथ कर्मचारियों में आपसी सहयोग, सम्मान और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में भारतीय रेलवे को एक परिवार के रूप में प्रस्तुत किया गया, जहां सभी कर्मचारी एक टीम के रूप में मिलकर देश की जनता की सेवा करते हैं।

राष्ट्रीय एकता में भारतीय रेलवे की अहम भूमिका

'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को साकार करने में भारतीय रेलवे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। देश के राष्ट्रीय परिवहन नेटवर्क के रूप में रेलवे भारत के विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों को जोड़ता है तथा प्रतिदिन लाखों यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाता है।

भारतीय रेलवे केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता का प्रतीक भी है। यह देश के विभिन्न हिस्सों के लोगों को आपस में जोड़कर एकता और भाईचारे की भावना को मजबूत कर रहा है।

मालेगांव उर्दू घरः उद्देश्य से भटकाव और संरक्षण की आवश्यकता

मालेगांव / वसीम रज़ा खान



महाराष्ट्र मालेगांवः महाराष्ट्र का मालेगांव शहर हमेशा से अपनी समृद्ध सांस्कृतिक, साहित्यिक और शैक्षणिक परंपराओं के लिए पहचाना जाता रहा है। वर्ष 2014 में राज्य सरकार ने महाराष्ट्र के कुछ शहरों में उर्दू घरों के निर्माण के लिए निधि आवंटित की थी, जिसमें मालेगांव भी शामिल था।

राज्य सरकार और विधायक निधि से लगभग 8 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि खर्च कर 'उर्दू घर' के निर्माण की नींव रखी गई थी। उस समय शहर के बुद्धिजीवियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों में एक नई उम्मीद जगी थी। यह महज ईंट-पत्थर से बनी एक इमारत नहीं थी, बल्कि इसे उर्दू भाषा के एक उच्चस्तरीय शोध एवं अध्ययन केंद्र के रूप में विकसित करने की परिकल्पना की गई थी। योजना थी कि इसे किसी प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय से मान्यता दिलाई जाएगी, जहां भाषा विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और अनुभवी शिक्षकों की नियुक्तियां की जाएंगी। इसका उद्देश्य स्थानीय युवाओं और शोधार्थियों को उर्दू भाषा, साहित्य और अनुसंधान के क्षेत्र में नए अवसर उपलब्ध कराना था।

उर्दू घर का निर्माण वर्ष 2019 में पूरा कर लिया गया, लेकिन कोरोना महामारी के कारण इसका औपचारिक उद्घाटन वर्ष 2022 में किया गया। दुर्भाग्यवश, चार वर्ष बीत जाने के बावजूद यह महत्वाकांक्षी परियोजना अपने मूल उद्देश्यों से काफी दूर नजर आ रही है। उर्दू भाषा और शोध का केंद्र बनने के बजाय यह इमारत महज एक हॉल या ऑडिटोरियम तक सीमित होकर रह गई है, जिसे तहसील प्रशासन विभिन्न कार्यक्रमों के लिए किराये पर देता है। विश्वविद्यालय से संपर्क, स्थायी शैक्षणिक कर्मचारियों की भर्ती और शोधार्थियों के मार्गदर्शन की व्यवस्थाएं आज भी केवल कागजी कार्रवाई और दावों तक सीमित हैं।

हाल ही में उर्दू घर के परिसर में राजनेताओं द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस जैसी गतिविधियों के आयोजन ने एक नई चिंता पैदा कर दी है। इस तरह की गतिविधियां उर्दू घर की साहित्यिक और शैक्षणिक गरिमा के अनुरूप नहीं हैं। यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो यह संस्थान शैक्षणिक केंद्र बनने के बजाय राजनीतिक गुटबाजी और बैठकों का अड्डा बनकर रह जाएगा। ऐसी आशंका भी है कि कुछ विशेष राजनीतिक परिवार इसे अपनी निजी संपत्ति समझने लगें और शिक्षा का यह केंद्र एक पार्टी कार्यालय में तब्दील हो जाए।

किसी भी भाषा विकास केंद्र या शोध संस्थान के प्रभावी संचालन के लिए कानूनी और प्रशासनिक स्पष्टता आवश्यक है। वर्तमान में राज्य सरकार की ओर से यहां केवल एक प्रशासक नियुक्त किया गया है।

किसी भी केंद्र को सरकारी शोध संस्थान का दर्जा प्राप्त करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और संबंधित राज्य विश्वविद्यालय, जैसे सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय या डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, के नियमों के तहत संबद्धता प्राप्त करना आवश्यक होता है। किसी भी भाषाई शोध केंद्र का सफल संचालन तभी संभव है, जब वह राज्य सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग अथवा अल्पसंख्यक विकास विभाग के प्रत्यक्ष नियंत्रण और बजटीय सहायता के अंतर्गत कार्य करे।

उर्दू घर के मूल स्वरूप और उद्देश्य का संरक्षण केवल सरकार की ही नहीं, बल्कि मालेगांव के उर्दू भाषा विशेषज्ञों, शिक्षकों, पत्रकारों, लेखकों और बुद्धिजीवी नागरिकों की भी नैतिक जिम्मेदारी है। अब समय आ गया है कि शहर का साहित्यिक और शैक्षणिक वर्ग एकजुट होकर इस उद्देश्य के लिए अपनी आवाज बुलंद करे, ताकि इस संस्थान को राजनीतिक प्रभाव से सुरक्षित रखा जा सके।

उर्दू घर के परिसर में किसी भी राजनीतिक दल की प्रेस कॉन्फ्रेंस, बैठक या राजनीतिक कार्यक्रम आयोजित करने पर तत्काल कानूनी प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। इसका उपयोग केवल शैक्षणिक, साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों तक सीमित रखा जाना चाहिए।

उर्दू घर का प्रशासन और नियंत्रण महाराष्ट्र सरकार के अल्पसंख्यक विकास विभाग, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग अथवा किसी निजी संस्थान के प्रत्यक्ष अधीन किया जाना चाहिए। इस केंद्र को राज्य के किसी प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय से शोध केंद्र के रूप में तत्काल मान्यता दिलाई जानी चाहिए।

दिया मिर्जा को ब्लैकलिस्ट करने की मांग पर कांग्रेस का बीजेपी पर हमला

सरकार की आलोचना करना देशद्रोह नहीं: अशरफ आज़मी

मुंबई / अकबर खान



मुंबईः अभिनेत्री दिया मिर्जा के पर्यावरण संबंधी वीडियो को लेकर मुंबई की राजनीति में विवाद गहराता जा रहा है। दिया मिर्जा के वीडियो को एक पोर्टल से हटाए जाने और उन्हें सरकारी परियोजनाओं से ब्लैकलिस्ट करने की मांग पर कांग्रेस ने बीजेपी और मुंबई महानगरपालिका प्रशासन पर तीखा हमला बोला है। बता दे की अभिनेत्री दिया मिर्जा के पर्यावरण संबंधी वीडियो को लेकर मुंबई में राजनीतिक विवाद गहराता जा रहा है। वीडियो को पोर्टल से हटाए जाने और दिया मिर्जा को सरकारी परियोजनाओं से ब्लैकलिस्ट करने की मांग पर कांग्रेस ने बीजेपी और मुंबई महानगरपालिका प्रशासन को घेरा है।

कांग्रेस नेता अशरफ आज़मी ने कहा कि दिया मिर्जा लगातार पर्यावरण संरक्षण के मुद्दों पर अपनी आवाज उठाती रही हैं। ऐसे में उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग करना दुर्भाग्यपूर्ण है। अशरफ आज़मी ने कहा कि सरकार की आलोचना करना देश की आलोचना करना नहीं है। लोकतंत्र में सरकार से सवाल पूछना हर नागरिक का अधिकार है।

मुंबई में बढ़ता प्रदूषण गंभीर चिंता का विषय

कांग्रेस नेता अशरफ आज़मी ने मुंबई में बढ़ते वायु प्रदूषण पर चिंता जताते हुए कहा कि शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) कई बार 300 के स्तर तक पहुंच रहा है। प्रदूषण का सबसे ज्यादा असर बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, वायु प्रदूषण बच्चों के फेफड़ों के विकास को भी प्रभावित कर सकता है।

उन्होंने सवाल किया कि जब मुंबई की पर्यावरणीय स्थिति लगातार बिगड़ रही है, तब सरकार प्रदूषण नियंत्रित करने के ठोस उपाय करने के बजाय पर्यावरण के मुद्दे उठाने वाली अभिनेत्री को निशाना क्यों बना रही है?

अस्पताल, पानी, और शिक्षा की समस्याओं पर सरकार को घेरा

कांग्रेस नेता आज़मी ने बीएमसी प्रशासन पर निशाना साधते हुए कहा कि मुंबई में सरकारी अस्पतालों की स्थिति चिंताजनक है। अस्पतालों में दवाइयों की कमी, स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाली, सरकारी अस्पतालों के निजीकरण की तैयारी, पीने के पानी की समस्या, सरकारी स्कूलों में शिक्षा का गिरता स्तर, खराब सड़कें और सार्वजनिक शौचालयों की कमी जैसे कई गंभीर मुद्दे हैं।

उन्होंने कहा कि इन समस्याओं का समाधान करना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए, लेकिन प्रशासन इन बुनियादी सवालों पर गंभीरता नहीं दिखा रहा है।

निर्माण स्थलों से होने वाले प्रदूषण पर भी उठाए सवाल

कांग्रेस नेता अशरफ आज़मी ने बताया कि जनवरी 2025 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई के निर्माण स्थलों की निगरानी के लिए महानगरपालिका को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद निगरानी व्यवस्था लागू करने में काफी देरी हुई।

उन्होंने सवाल किया कि अदालत के निर्देशों के बावजूद लगभग दो साल तक कार्रवाई क्यों नहीं की गई? अब जो निगरानी व्यवस्था लाई जा रही है, वह भी अधूरी क्यों है?

अशरफ आज़मी ने महानगरपालि आयुक्त को पत्र लिखकर मांगा जवाब

कांग्रेस नेता ने बताया कि उन्होंने महानगरपालिआयुक्त को पत्र लिखकर इस पूरे मामले में कई सवालों के जवाब मांगे हैं।

उन्होंने कहा कि दिया मिर्जा के अलावा माधुरी दीक्षित, अजिंक्य रहाणे और अन्य सेलिब्रिटीज ने भी पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ दिवाली मनाने का संदेश दिया था। ऐसे संदेशों का उद्देश्य मुंबई के नागरिकों को प्रदूषण मुक्त वातावरण के प्रति जागरूक करना था।

उन्होंने सवाल किया कि दिया मिर्जा का वीडियो इतनी जल्दबाजी में क्यों हटाया गया? आखिर ऐसा क्या हुआ कि प्रशासन को इस वीडियो से परेशानी होने लगी? महापौर द्वारा उन्हें सरकारी परियोजनाओं से ब्लैकलिस्ट करने की मांग करना भी समझ से परे है।

बीजेपी का मतलब मुंबई और देश नहीं है

कांग्रेस नेता ने कहा कि बीजेपी को यह समझना चाहिए कि बीजेपी का मतलब मुंबई नहीं है और न ही बीजेपी का मतलब पूरा देश है। लोकतंत्र में सरकार की आलोचना हमेशा होती रही है और आगे भी होती रहेगी।

उन्होंने कहा कि आलोचना को दुश्मनी समझने के बजाय सरकार को उससे सीख लेकर अपनी कमियों को सुधारना चाहिए।

सरकारी जमीनों और अस्पतालों के निजीकरण पर सवाल

कांग्रेस नेता ने बीएमसी की कीमती जमीनों और सार्वजनिक संस्थानों को निजी हाथों में सौंपे जाने पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि बड़े उद्योगपतियों को सार्वजनिक संपत्तियां सौंपने के फैसलों पर भी प्रशासन को जवाब देना चाहिए।

अंत में कांग्रेस नेता ने कहा कि दिया मिर्जा को ब्लैकलिस्ट करने की मांग करने के बजाय सरकार को मुंबई की असली समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। स्वच्छ हवा, साफ पानी, बेहतर अस्पताल, अच्छी शिक्षा और नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। पर्यावरण संरक्षण के लिए आवाज उठाने वालों को निशाना बनाने के बजाय उनकी बात सुननी चाहिए।

IIT बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे की संस्थागत हत्या के मामले में डेढ़ महीने बाद भी कार्रवाई नहीं, जांच के नाम पर हो रही है देरी - कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़

मुंबई / अकबर खान

❍ मुंबई कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडलने साहिल के माता-पिता के साथ पुलिस महानिदेशक सदानंद दाते से की मुलाकात।कर मिर्जा का वीडियो दोबारा प्रसारित कर उनसे बिना शर्त सार्वजनिक माफी मांगे बीएमसी : वर्षा गायकवाड़



मुंबई : IIT बॉम्बे में पढ़ने वाले पिछड़े वर्ग के छात्र साहिल वाकोडे की कथित संस्थागत हत्या के मामले में FIR दर्ज होने के बावजूद संबंधित प्रोफेसर के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। घटना को डेढ़ महीने बीत जाने के बाद भी जांच में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। उल्टा साहिल वाकोडे की छवि खराब करने का प्रयास किया जा रहा है। यह आरोप मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद वर्षा गायकवाड़ ने लगाया है।

इस मामले में दोषी प्रोफेसरों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग को दोहराते हुए मुंबई कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने सांसद वर्षा गायकवाड़ और साहिल वाकोडे के माता-पिता के साथ महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक सदानंद दाते से मुलाकात की।

इस प्रतिनिधिमंडल में विधायक अमीन पटेल, विधायक डॉ. ज्योति गायकवाड़, समूह नेता अशरफ आजमी, प्रवक्ता सुरेशचंद्र राजहंस, सुभाष भालेराव और जयवंत लोखंडे सहित अन्य नेता उपस्थित थे।

IIT बॉम्बे में 13 विद्यार्थियों की मौत पर उठाए सवाल

मुलाकात के बाद सांसद वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि एक तरफ प्रशासन इस मामले की जांच जारी होने की बात कह रहा है, वहीं दूसरी तरफ मामले से जुड़े CCTV फुटेज सार्वजनिक करके साहिल वाकोडे की बदनामी की जा रही है।

उन्होंने सवाल उठाया कि जिन प्रोफेसरों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, वे अब तक खुलेआम कैसे घूम रहे हैं? प्रशासन केवल जांच जारी होने की बात कहकर अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता।

वर्षा गायकवाड़ ने यह भी कहा कि पिछले कुछ वर्षों में IIT बॉम्बे में 13 विद्यार्थियों ने अपनी जीवनलीला समाप्त की है। आखिर इस प्रतिष्ठित संस्थान में ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं? क्या समय पर सख्त कार्रवाई नहीं होने के कारण ऐसी घटनाएं बढ़ रही हैं? इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

उन्होंने बताया कि पुलिस महानिदेशक सदानंद दाते ने आश्वासन दिया है कि वे इस मामले में व्यक्तिगत रूप से ध्यान देंगे। साथ ही IIT बॉम्बे (पवई) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष डॉ. के. राधाकृष्णन और मुंबई पुलिस आयुक्त से चर्चा करेंगे। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि खुफिया विभाग के माध्यम से इस मामले की जानकारी मुख्यमंत्री तक पहुंचाई जाएगी।

दिया मिर्जा का वीडियो दोबारा प्रसारित करने की मांग

सांसद वर्षा गायकवाड़ ने अभिनेत्री दिया मिर्जा के पर्यावरण संरक्षण से जुड़े वीडियो को हटाए जाने पर भी बीजेपी और मुंबई महानगरपालिका प्रशासन की आलोचना की।

उन्होंने कहा कि अभिनेत्री दिया मिर्जा ने मुंबई के नागरिकों के लिए प्रदूषण मुक्त दिवाली मनाने का एक सुंदर और सकारात्मक संदेश देने वाला वीडियो बनाया था। लेकिन अन्य सेलिब्रिटीज के वीडियो महानगरपालिका के आधिकारिक प्लेटफॉर्म पर मौजूद रहने के बावजूद केवल दिया मिर्जा का वीडियो बीजेपी के दबाव में हटाया गया। यह भेदभावपूर्ण और निंदनीय है।

धर्म के आधार पर भेदभाव बर्दाश्त नहीं होगा

वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि धर्म चाहे कोई भी हो, संविधान के अनुसार प्रत्येक नागरिक के साथ समान व्यवहार होना चाहिए। मुंबई महानगरपालिका सभी मुंबईकरों की संस्था है और यहां धर्म के आधार पर भेदभाव की कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि महानगरपालिका आयुक्त एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी हैं और उन्होंने भारतीय संविधान के पालन की शपथ ली है। इसलिए समानता और धर्मनिरपेक्षता के संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करना उनकी जिम्मेदारी है।

उन्होंने मांग की कि इस भेदभावपूर्ण कार्रवाई की जिम्मेदारी तय की जाए और संबंधित आयुक्त को तत्काल पद से हटाया जाए।

दिया मिर्जा से सार्वजनिक माफी मांगे बीएमसी

सांसद वर्षा गायकवाड़ ने मुंबई महानगरपालिका से मांग की कि अभिनेत्री दिया मिर्जा का वीडियो तत्काल दोबारा प्रसारित किया जाए और उनसे बिना शर्त सार्वजनिक रूप से माफी मांगी जाए।

उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि धर्म के नाम पर समाज में नफरत और विभाजन पैदा करने की राजनीति मुंबई में कभी सफल नहीं होगी।

मुंबई की असली पहचान उसकी विविधता, आपसी भाईचारे, सर्वधर्म समभाव और समावेशी संस्कृति है। कांग्रेस पार्टी दिया मिर्जा के साथ मजबूती से खड़ी है।

वर्षा गायकवाड़ ने अंत में कहा कि मुंबई सभी की है और सभी की ही रहेगी। शहर में संकीर्ण सोच और धर्म के नाम पर समाज को बांटने वाली राजनीति के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

लोकतंत्र बचाओ... अराजकता हटाओ अभियान के तहत मुंबई में भव्य पदयात्रा

मुंबई / अकबर खान

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी, मुंबई की ओर से 'लोकतंत्र बचाओ... अराजकता हटाओ' अभियान के अंतर्गत सोमवार, 2 नवंबर 2026 को भव्य पदयात्रा का आयोजन किया गया है।



यह पदयात्रा दोपहर 3 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज मैदान (शिवाजी पार्क) से प्रारंभ होकर प्रभादेवी स्थित कामगार कल्याण मंडल मैदान में संपन्न होगी।

इस पदयात्रा में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर, भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक रवींद्र चव्हाण, भाजपा मुंबई अध्यक्ष एवं विधायक अमित साटम, महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री एड. आशीष शेलार और एड. मंगल प्रभात लोढ़ा सहित मुंबई के सभी सांसद, विधायक, नगरसेवक, पार्टी पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल होंगे।

भाजपा की ओर से आयोजित इस पदयात्रा का उद्देश्य लोकतंत्र की रक्षा, राष्ट्रहित और संवैधानिक मूल्यों के समर्थन में जनता तक एकजुटता का संदेश पहुंचाना है।

इस अवसर पर मीडिया प्रतिनिधियों से पदयात्रा में उपस्थित रहकर कार्यक्रम का समाचार संकलन एवं छायांकन करने की अपील की गई है।

महाराष्ट्र के IT असिस्टेंट कर्मचारियों का मुंबई आजाद मैदान मे आंदोलन

5 प्रतिनिधि करेंगे अनिश्चितकाल न भूख हड़ताल समय पर मानधन नहीं मिलने और अनधिकृत ऐप के जरिए लाइव हाजिरी लगाने का दबाव बनाने का आरोप

मुंबई / अकबर खान

मुंबई : महाराष्ट्र के IT असिस्टेंट कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांगों पर सरकार की ओर से अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिए जाने के कारण कर्मचारियों में भारी नाराजगी है। बार-बार ज्ञापन और स्मरण पत्र देने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं होने से अब कर्मचारी संगठन ने आंदोलन का रास्ता अपनाने का फैसला किया है।

कर्मचारी संगठन की ओर से घोषणा की गई है कि 2 नवंबर 2026 से मुंबई के आजाद मैदान में पांच प्रतिनिधि अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठेंगे। ये प्रतिनिधि शांतिपूर्ण तरीके से अन्नत्याग कर अपना विरोध दर्ज कराएंगे।



समय पर मानधन नहीं मिलने से कर्मचारी परेशान

कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें समय पर मानधन नहीं दिया जा रहा है, जिसके कारण आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा अनधिकृत मोबाइल ऐप के माध्यम से लाइव हाजिरी दर्ज करने के लिए दबाव बनाए जाने की भी शिकायत की गई है।

सरकार से जल्द समाधान करने की मांग

संगठन का कहना है कि कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर सरकार के समक्ष कई बार निवेदन किया गया है। इसके बावजूद अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है।

इसी नाराजगी के चलते संगठन ने 2 नवंबर से मुंबई के आजाद मैदान में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने का निर्णय लिया है। इस आंदोलन की पूर्व सूचना भी शासन को दे दी गई है।

कर्मचारी संगठन ने सरकार से मांग की है कि IT असिस्टेंट कर्मचारियों की लंबित समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाए, समय पर मानधन दिया जाए और अनधिकृत ऐप के माध्यम से लाइव हाजिरी के लिए बनाए जा रहे दबाव को बंद किया जाए।

कर्मचारियों का कहना है कि अब आश्वासन नहीं, बल्कि उनकी मांगों पर ठोस निर्णय चाहिए।

एयर मार्शल इंद्रपाल सिंह वालिया ने 52वें एयर फोर्स वाइस चीफ का पद संभाला



नई दिल्ली/एजेंसी

नए वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित के कार्यभार संभालने के बाद एयर मार्शल इंद्रपाल सिंह वालिया ने 52वें वाइस चीफ का पद संभाल लिया है। फाइटर स्ट्रीम में कमीशन हुए एयर मार्शल के पास अपने तीन दशकों से अधिक के करियर में मिग-21, मिग-23, मिग-27, जगुआर और सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों पर 3200 घंटे से अधिक की उड़ान का अनुभव है। उन्होंने देश के लिए सबसे बड़ा बलिदान देने वालों के सम्मान में नेशनल वॉर मेमोरियल पर श्रद्धांजलि दी और उन्हें सेरेमोनियल गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वायु सेना में 11 जून 1988 को फाइटर स्ट्रीम में कमीशन हुए एयर मार्शल इंद्रपाल सिंह वालिया राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खडकवासला और वायु सेना अकादमी, डुंडीगुल के पूर्व छात्र हैं। वह एडवांस्ड कमांड एंड स्टाफ कोर्स, यूनाइटेड किंगडम और नेशनल डिफेंस कॉलेज, बांग्लादेश के पूर्व छात्र भी हैं।

रैली से कारोबार पर पड़ा असर?: जयराम बोले- भाजपा का प्रोपेगेंडा पंक्चर, जमकर हुई खरीदारी

रैली को बदनाम करने और लोगों को दिल्ली आने से रोकने के लिए व्यापारियों को नुकसान होने और बाजार बंद रहने का डर फैलाया गया था

नई दिल्ली/एजेंसी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोमवार को दिल्ली में इंडिया ब्लॉक की रैली को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि रैली को बदनाम करने और लोगों को दिल्ली आने से रोकने के लिए व्यापारियों को नुकसान होने और बाजार बंद रहने का डर फैलाया गया था। हालांकि, उनके मुताबिक भाजपा का यह दुष्प्रचार पूरी तरह नाकाम रहा और दिल्ली के कारोबारियों को इसका फायदा मिला। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि भाजपा का पूरा प्रोपेगेंडा पंक्चर हो गया है। उन्होंने कहा कि जब देशभर से लोग दिल्ली आएंगे तो वे खरीदारी भी करेंगे। ऐसे में दिल्ली में कारोबार करने वाले हर व्यापारी को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से फायदा होगा।

> भाजपा के इस झूठे और तर्कहीन दुष्प्रचार का मकसद वोट चोरी और चुनाव आयोग की जवाबदेही जैसे असली मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाना था। जब देशभर से लोग दिल्ली आएंगे तो वे खरीदारी भी करेंगे।
>
> *जयराम रमेश, कांग्रेस सांसद*



भाजपा पर लगाए क्या आरोप?

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के इस झूठे और तर्कहीन दुष्प्रचार का मकसद वोट चोरी और चुनाव आयोग की जवाबदेही जैसे असली मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाना था। इसके साथ ही मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बचाने और लोगों को महारैली में शामिल होने से रोकने की कोशिश की गई।

रमेश ने कहा कि दिल्ली की जनता और देशभर से आए लोगों ने इस दुष्प्रचार का जवाब अपने तरीके से दिया। राहुल गांधी की अपील पर लोगों ने दिल्ली के बाजारों में खरीदारी की। पुरानी दिल्ली के थोक बाजारों में दुकानें खुलीं और जमकर कारोबार हुआ। छोटे दुकानदारों और रेहड़ी-पटरी वालों से भी लोगों ने बड़ी संख्या में सामान खरीदा।

कांग्रेस नेता ने व्यापारियों को हुए नुकसान के दावों पर क्या कहा?

उन्होंने कहा कि अखबारों की रिपोर्ट खुद भाजपा के इस झूठे नैरेटिव की पोल खोल रही हैं। रमेश ने दिल्ली के व्यापारियों, दुकानदारों और नागरिकों का आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने लोकतांत्रिक विरोध के साथ स्थानीय कारोबार का भी साथ दिया।

कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा को समझना चाहिए कि लोकतंत्र की आवाज को न डर से दबाया जा सकता है और न ही दुष्प्रचार से। उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि देश की जनता पिछले 12 साल से उनकी हरकतें देख रही है और अब उनके झांसे में आने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि जनता वोट का अधिकार भी बचाएगी, कारोबार भी चलाएगी और जवाबदेही भी मांगेगी। जयराम रमेश के दावों के उलट चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) के अध्यक्ष बृजेश गोयल ने रविवार को कहा था कि रामलीला मैदान में इंडिया ब्लॉक की रैली के कारण दिल्ली के व्यापारिक क्षेत्र को करीब 10,000 से 11,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

पंजाब चुनाव से पहले आप को झटका, 3 विधायकों ने थामा बीजेपी का दामन

चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। पिछले दो दिन में तीन विधायकों ने पार्टी छोड़ दी है। बागी विधायकों ने सोमवार को बीजेपी का दामन थाम लिया। सोमवार को दिल्ली में आप के बागी नेता कुंवर विजय प्रताप सिंह, हरमीत सिंह पठानमाजरा और चेतन सिंह जौरामाजरा बीजेपी में शामिल हो गए।

कुंवर विजय प्रताप सिंह ने पद से भी दिया इस्तीफा

बीजेपी में शामिल होने से पहले अअढ से निलंबित विधायक और पूर्व व्हर अधिकारी कुंवर विजय प्रताप सिंह ने बताया कि उन्होंने पंजाब विधानसभा के विधायक पद से इस्तीफा दे दिया है। अमृतसर उत्तर सीट से विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने अपना इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवान को भेज दिया है।



दिल्ली में थामा बीजेपी का दामन

कुंवर विजय प्रताप सिंह पंजाब के अन्य विधायकों चेतन सिंह जौरामाजरा और हरमीत सिंह पठानमाजरा के साथ, दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में बीजेपी में शामिल हो गए।

बता दें कि समाना से चेतन सिंह जौरामाजरा और पटियाला जिले के सनौर से हरमीत सिंह पठानमाजरा ने रविवार को ही आम आदमी पार्टी से इस्तीफा दे दिया था।

दीपोत्सव की तैयारियों का जायजा लेने अयोध्या पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

अयोध्या/एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को दीपोत्सव की तैयारियों का जायजा लेने अयोध्या पहुचें। राम कथा पार्क हेलीपैड पर उनका हेलीकॉप्टर उतरा। मुख्यमंत्री का जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने स्वागत किया। वह दीपोत्सव-2026 की तैयारियों का ग्राउंड जीरो पर जायजा लेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री हनुमानगढ़ी और राम मंदिर में दर्शन करेंगे। साथ ही राम की पैड़ी, राम कथा पार्क और सरयू आरती स्थल का निरीक्षण भी करेंगे। इसके अलावा वह अधिकारियों के साथ पी०एफ०सी० सभागार, अयोध्या में दीपोत्सव की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा करेंगे। दीपोत्सव के मुख्य अतिथियों और वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उच्च अधिकारियों के साथ बैठक भी प्रस्तावित है।

यातायात डायवर्जन तैयार

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया कि दीपोत्सव क्षेत्र को जोन और सेक्टर में बांटकर तैयारियों की निगरानी की जा रही है। ट्रैफिक व्यवस्था के लिए इंटर-डिस्ट्रिक्ट और इंट्रा-डिस्ट्रिक्ट डायवर्जन प्लान तैयार किया गया है। पूरे आयोजन क्षेत्र को सीसीटीवी कैमरों से लैस किया जाएगा। येलो जोन कंट्रोल रूम के साथ इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर भी बनाया जा रहा है।



दीपोत्सव पर सरयू तट बनेगा आस्था का केंद्र, 2147 अर्चक एक साथ करेंगे महाआरती

लखनऊ: अयोध्या में दीपोत्सव-2026 की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। सात नवंबर को होने वाले भव्य आयोजन में सरयू तट पर 2,147 अर्चक सामूहिक महाआरती करेंगे। लक्ष्मण किला घाट से नया घाट और राम की पैड़ी तक होने वाली यह आरती संध्या करीब 5:20 से 5:50 बजे तक चलेगी। दीपोत्सव के दसवें संस्करण को भव्य बनाने के लिए सरयू नदी के 56 घाटों को विशेष रूप से तैयार किया जा रहा है।। घाटों की सजावट और सामूहिक महाआरती के जरिए



रामनगरी में आस्था और आध्यात्मिकता का भव्य नजारा देखने को मिलेगा।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में वर्ष 2017 में 1.71 लाख दीयों के प्रज्ज्वलन से शुरू हुआ दीपोत्सव इस बार अपने दसवें संस्करण में प्रवेश कर रहा है।

नौ जोन और चार लेन सड़क से जुड़ेंगे केंद्र

सुरक्षा व्यवस्था के लिए जनपदीय पुलिस के अलावा रेंज, जोन और पुलिस मुख्यालय से अतिरिक्त बल उपलब्ध कराया गया है। स्पेशल सिक्योरिटी एजेंसियों की भी तैनाती की गई है, ताकि दीपोत्सव और मुख्यमंत्री का वीआईपी दौरा सकुशल संपन्न हो सके। प्रशासन का दावा है कि सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से चल रही हैं और मुख्यमंत्री के निरीक्षण से तैयारियों को और मजबूती मिलेगी। जनभागीदारी और सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ता यह आयोजन हर साल नए आयाम स्थापित करता रहा है। पिछले वर्ष 26 लाख से अधिक दीये जलाकर अयोध्या ने नया विश्व कीर्तिमान बनाया था। इस बार सात नवंबर को करीब 30 लाख दीयों से रामनगरी को रोशन किया जाएगा। इस दौरान सामूहिक सरयू आरती, अंतरराष्ट्रीय रामलीला और 2,100 ड्रोन के जरिए रामायण के प्रसंगों का हवाई प्रदर्शन समारोह के प्रमुख आकर्षण होंगे।' मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि दीपोत्सव में सरयू तट पर होने वाली सामूहिक महाआरती प्रमुख आकर्षण होगी। हजारों दीपों से जगमगाते घाट अयोध्या की धार्मिक-सांस्कृतिक परंपरा की भव्य छटा प्रस्तुत करेंगे।



श्रीराम जन्म भूमि परिसर, अयोध्या में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दर्शन पूजन करते हुए।

प्रधानमंत्री ने झुंझुनूं हादसे पर जताया शोक, मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख की सहायता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के झुंझुनूं जिले में सड़क निर्माण कार्य के दौरान करंट लगने से आठ श्रमिकों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने हादसे में घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रधानमंत्री के हवाले से कहा कि झुंझुनूं में हुए हादसे में लोगों की मौत से वह बेहद दुखी हैं। उनकी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। उन्होंने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की।

योगी सरकार ने साक्षरता कर्मियों के बकाया मानदेय भुगतान का रास्ता खोला



लखनऊ/एजेंसी

साक्षर भारत योजना से जुड़े कार्मिकों के बकाया मानदेय भुगतान को लेकर योगी सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्रदेश के 64 जिलों के लिए करीब 397.19 करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित की गई है। इससे वर्षों से लंबित भुगतान की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी और योजना के अंतर्गत कार्य कर चुके जिला एवं ब्लॉक समन्वयकों तथा प्रेरकों को उनका अवशेष मानदेय मिल सकेगा। कार्मिकों के भुगतान को निर्धारित प्रक्रिया और वित्तीय अनुशासन के साथ आगे बढ़ाने की व्यवस्था की गई है। निर्धारित सत्यापन और समयसीमा के साथ भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण के निदेशक एवं सचिव अनिल भूषण चतुर्वेदी की ओर से जारी आदेश में साक्षर भारत योजना के अंतर्गत 31 मार्च 2018 तक कार्यरत रहे साक्षरता कर्मियों के अवशेष मानदेय भुगतान के लिए धनराशि आवंटित की गई है। आदेश के अनुसार, प्रेरकों को 2,000 रुपये प्रतिमाह और जिला/ब्लॉक समन्वयकों को 6,000 रुपये प्रतिमाह की दर से भुगतान किया जाएगा।

कार्मिकों की वास्तविक उपस्थिति, कार्यों और अभिलेखों का होगा सत्यापन

मानदेय भुगतान से पहले संबंधित कार्मिकों की वास्तविक उपस्थिति, कार्यों और अभिलेखों का सत्यापन किया जाएगा। जिला स्तर पर उपलब्ध ऑडिट रिपोर्ट तथा अन्य अभिलेखों के आधार पर बकाया राशि का निर्धारण किया जाएगा। आदेश में यह भी निर्देशित किया गया है कि आवंटित धनराशि का उपयोग निर्धारित मद में ही किया जाए और किसी अन्य मद में उसका विचलन न हो। संबंधित जनपदों को 31 दिसंबर 2026 तक निर्धारित वित्तीय नियमों के अनुसार धनराशि खर्च करने के निर्देश दिए गए हैं।

रिलायंस के तूफान में आसमान पर पहुंचा शेयर बाजार, निवेशकों ने कमाए 7 लाख करोड़

नई दिल्ली/एजेंसी

रिलायंस के शेयरों में छह साल की सबसे बड़ी तेजी और कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी के दम पर भारतीय शेयर बाजार आज लगातार तीसरे कारोबारी दिन शानदार बढ़त के साथ बंद होने में कामयाब रहा। बाजार में आज चौतरफा मजबूती का माहौल बना रहा, जिसके चलते दिग्गज शेयरों के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी जम कर खरीदारी हुई। इस चौतरफा लिवाली के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों मुख्य सूचकांक दिन के ऊपरी स्तर (डे-हाई) पर बंद होने में सफल रहे। बाजार की जोरदार मजबूती के कारण आज निवेशकों की संपत्ति में लगभग सात लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। आज के कारोबार के दौरान शुरूआत से ही बाजार में मजबूती का माहौल बना रहा, जिसमें हैवीवेट शेयरों में हुई खरीदारी के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक पूरे समय हरे निशान में ही बने रहे। दिन के दूसरे सत्र में यानी दोपहर 12 बजे के बाद मुनाफावसूली का दबाव भी बना, लेकिन कुछ देर बाद ही खरीदारों ने चौतरफा लिवाली कर सूचकांकों को डे-हाई पर पहुंचा दिया।

सोनिया गांधी ने लालू यादव से की मुलाकात

नई दिल्ली/एजेंसी

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सोमवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार के कार्यकाल की पुरानी यादें ताजा कीं और मनरेगा, शिक्षा का अधिकार (आरटीई) तथा सूचना का अधिकार (आरटीआई) जैसे कानूनों के लागू होने से जुड़े अनुभव साझा किए। सोनिया ने लालू से उनकी बेटी एवं सांसद मीसा भारती के आवास पर मुलाकात की। लालू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मुलाकात



की जानकारी देते हुए कहा कि सोनिया गांधी उनके आवास पर पहुंचीं और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस दौरान पुराने दिनों की यादें ताजा हुईं। लालू ने कहा कि यूपीए सरकार के कार्यकाल में युवाओं, किसानों, जवानों और आम आदमी के लिए पारदर्शी एवं जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की गईं। मनरेगा, आरटीई और आरटीआई जैसे कानूनों के माध्यम से देशवासियों को सशक्त बनाया गया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में बिहार के विकास के लिए एक लाख 45 हजार करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि दिए जाने का भी उल्लेख किया। इस मुलाकात पर तेजस्वी यादव ने भी सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि देश के दो अनुभवी नेताओं की यह मुलाकात पारिवारिक और आत्मीय रही। दोनों लंबे समय से एक-दूसरे के सुख-दुख में मजबूती से साथ खड़े रहे हैं। उन्होंने कहा कि यूपीए की विकास गाथा से जुड़े दोनों नेताओं के संघर्ष, संस्मरण, चिंतन और उपलब्धियों को सुनना तथा उनसे सीखना उनके लिए सौभाग्य की बात है। ऐसी मुलाकातों से प्रेरणा मिलती है कि दृढ़ संकल्प और सही दिशा में की गई मेहनत हमेशा सकारात्मक परिणाम देती है।



काले कुत्ते और शनि-राहु-केतु का क्या है संबंध?

क्यों खिलाई जाती है रोटी...?

राहु और केतु को वैदिक ज्योतिष में छाया ग्रह कहा जाता है। ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार राहु का संबंध भ्रम, अचानक आने वाली परेशानियों और मानसिक अस्थिरता जैसी परिस्थितियों से जोड़ा जाता है। काले कुत्ते को नियमित रूप से भोजन कराने को राहु के नकारात्मक प्रभाव को शांत करने वाले पारंपरिक उपायों में गिना जाता है। इसका मुख्य भाव जीव सेवा और जरूरतमंद प्राणी के प्रति दया रखना है।

सनातन परंपरा में पशु-पक्षियों को भोजन कराना पुण्यदायी कार्य माना गया है। माना जाता है कि जीवों की सेवा करने से मन में करुणा बढ़ती है और सकारात्मक भाव पैदा होते हैं। इसी परंपरा में काले कुत्ते को रोटी खिलाने का भी विशेष उल्लेख मिलता है।

अक्सर आपने मंदिरों या घरों के आसपास लोगों को काले कुत्ते को रोटी खिलाते देखा होगा। लेकिन इसके पीछे केवल पशु प्रेम ही नहीं, बल्कि ज्योतिष और धार्मिक मान्यताओं से जुड़ी कई धारणाएं भी बताई जाती हैं। खासतौर पर इसका संबंध शनि, राहु और केतु से जोड़ा जाता है। आइए जानते हैं इस परंपरा के पीछे क्या मान्यता है।

काले कुत्ते को ही क्यों खिलाई जाती है रोटी?

ज्योतिषीय परंपराओं में काले रंग को शनि, राहु और केतु जैसे ग्रहों से जोड़ा जाता है। वहीं कुत्ते को भगवान काल भैरव का वाहन माना गया है। इसी कारण काले कुत्ते को भोजन कराने की परंपरा को धार्मिक दृष्टि से खास माना गया।

लाल किताब और लोक मान्यताओं में भी जीवों को भोजन कराने को ग्रहों से जुड़े कष्टों को कम करने वाले उपायों में शामिल किया जाता है। हालांकि, ये बातें धार्मिक और ज्योतिषीय विश्वासों पर आधारित हैं, इन्हें वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित उपाय नहीं माना जाता।

केतु से जुड़ी है खास मान्यता

ज्योतिष में कुत्ते का संबंध विशेष रूप से केतु ग्रह से बताया जाता है। मान्यता है कि यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में केतु कमजोर या अशुभ स्थिति में हो, तो उसे जीवन में बार-बार रुकावटों, भ्रम या अनिश्चित परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

ऐसी स्थिति में काले कुत्ते को भोजन कराने की सलाह कुछ ज्योतिषीय परंपराओं में दी जाती है। कई लोग सरसों के तेल से लगी रोटी खिलाने को भी केतु से जुड़े उपाय के रूप में मानते हैं।

राहु के प्रभाव को लेकर क्या कहा जाता है?

राहु और केतु को वैदिक ज्योतिष में छाया ग्रह कहा जाता है। ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार राहु का संबंध भ्रम, अचानक आने वाली परेशानियों और मानसिक अस्थिरता जैसी परिस्थितियों से जोड़ा जाता है।

काले कुत्ते को नियमित रूप से भोजन कराने को राहु के नकारात्मक प्रभाव को शांत करने वाले पारंपरिक उपायों में गिना जाता है। इसका मुख्य भाव जीव सेवा और जरूरतमंद प्राणी के प्रति दया रखना है।

शनि देव से भी जोड़ा जाता है काला कुत्ता

काले रंग के कारण कुत्ते का संबंध शनि देव से भी जोड़ा जाता है। मान्यता है कि शनिवार को काले कुत्ते को भोजन कराने से शनि से संबंधित परेशानियां कम हो सकती हैं। कुछ लोग साढ़ेसाती या ढैय्या के दौरान भी इस उपाय को अपनाते हैं। धार्मिक विश्वास के अनुसार, इससे शनि देव की कृपा प्राप्त करने में सहायता मिल सकती है।

काल भैरव का वाहन माना जाता है कुत्ता

काले कुत्ते को लेकर सबसे प्रमुख धार्मिक मान्यताओं में से एक इसका भगवान काल भैरव से संबंध है। हिंदू परंपरा में कुत्ते को भैरव बाबा का वाहन माना गया है। इसी वजह से काल भैरव की पूजा करने वाले भक्त कुत्तों को भोजन कराते हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से भगवान भैरव प्रसन्न होते हैं और भक्त की रक्षा करते हैं।

रोटी खिलाते समय रखें इस बात का ध्यान

यदि आप धार्मिक आस्था के कारण कुत्ते को रोटी खिलाना चाहते हैं, तो इसे सहज भाव से करें। किसी जानवर को भोजन कराते समय उसकी सुरक्षा और स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना चाहिए। बहुत मसालेदार, खराब या उसके लिए नुकसानदायक भोजन देने से बचें। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पशु सेवा को केवल किसी ग्रह दोष के उपाय तक सीमित न समझें। किसी भूखे जीव को भोजन देना अपने आप में दया और सेवा का कार्य है।

> लक्ष्मी जी के चरण बनाते समय उनकी दिशा पर विशेष ध्यान दिया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, पैरों की उंगलियों का रुख घर के अंदर की ओर होना चाहिए। इसे मां लक्ष्मी के घर में आगमन का प्रतीक माना जाता है। इसके विपरीत, यदि चरणों का मुख बाहर की तरफ रखा जाए, तो कुछ परंपराओं में इसे देवी के घर से बाहर जाने का संकेत माना जाता है।



घर में मां लक्ष्मी के आगमन के लिए कहां बनाएं चरण चिह्न? दिवाली पर रखें ध्यान

दिवाली का त्योहार आते ही घरों में साफ-सफाई, सजावट और पूजा की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। इस दिन लोग अपने घरों को दीपों, रंगोली और फूलों से सजाते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, दिवाली की रात मां लक्ष्मी की पूजा करने से घर में सुख, शांति और समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है। इसी परंपरा के तहत कई घरों में मुख्य दरवाजे पर मां लक्ष्मी के चरण चिह्न भी बनाए जाते हैं।लेकिन क्या आप जानते हैं कि लक्ष्मी चरण पादुका बनाते समय उनकी दिशा का भी ध्यान रखा जाता है? मान्यता है कि चरणों का मुख घर के अंदर की ओर होना चाहिए, ताकि यह देवी के घर में आगमन का प्रतीक बने। आइए जानते हैं दिवाली पर लक्ष्मी जी के चरण कहां बनाएं, उनकी दिशा कैसी रखें और किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

दिवाली पर लक्ष्मी जी के चरण अंदर बनाएं या बाहर?

वास्तु और धार्मिक परंपराओं में मुख्य द्वार को घर में सकारात्मकता और शुभता के प्रवेश का प्रतीक माना जाता है। इसी वजह से दिवाली पर कई लोग मुख्य दरवाजे के पास मां लक्ष्मी के पैरों के निशान बनाते हैं। प्रचलित मान्यता के अनुसार, लक्ष्मी जी के चरण मुख्य द्वार की दहलीज के ठीक अंदर या घर के भीतर की ओर फर्श पर बनाना शुभ माना जाता है। इसका भाव यह है कि मां लक्ष्मी घर में प्रवेश कर रही हैं और परिवार पर अपनी कृपा बनाए रख रही हैं।

लक्ष्मी चरण पादुका बनाते समय दिशा का रखें ध्यान

लक्ष्मी जी के चरण बनाते समय उनकी दिशा पर विशेष ध्यान दिया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, पैरों की उंगलियों का रुख घर के अंदर की ओर होना चाहिए। इसे मां लक्ष्मी के घर में आगमन का प्रतीक माना जाता है।

इसके विपरीत, यदि चरणों का मुख बाहर की तरफ रखा जाए, तो कुछ परंपराओं में इसे देवी के घर से बाहर जाने का संकेत माना जाता है। इसी कारण लोग चरण बनाते समय दिशा को लेकर सावधानी बरतते हैं।



मुय दरवाजे से मंदिर तक भी बना सकते हैं चरण चिह्न

दिवाली पर लक्ष्मी जी के चरण बनाने के लिए मुख्य द्वार के पास की जगह सबसे अधिक पसंद की जाती है। आप इन्हें दहलीज के अंदर फर्श पर या दरवाजे के ठीक बगल में बना सकते हैं। कई घरों में मुख्य द्वार से पूजा स्थल या घर के मंदिर तक छोटे-छोटे चरण चिह्न बनाने की परंपरा भी है। ऐसा करते समय सभी चरणों का रुख घर के अंदर की ओर रखा जाता है, ताकि यह मां लक्ष्मी के घर में आने का प्रतीक बने। चरण चिह्न बनाते समय इस बात का ध्यान रखें कि वे दरवाजे के खुलने-बंद होने में बाधा न बनें और उन पर पैर पड़ने से बचाया जा सके।

किन रंगों से बनाएं मां लक्ष्मी के चरण?

लक्ष्मी चरण पादुका बनाने के लिए लाल, गुलाबी और पीले रंग का इस्तेमाल किया जाता है। धार्मिक परंपराओं में लाल रंग को शुभता और ऊर्जा से, जबकि पीले रंग को मंगल और समृद्धि से जोड़ा जाता है।

इन्हें बनाने के लिए चावल के आटे, कुमकुम या रंगोली के रंगों का उपयोग किया जा सकता है। कुछ परिवार पारंपरिक तरीके से चावल के आटे और सिंदूर का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं।

लक्ष्मी जी के चरण बनाने से पहले करें ये तैयारी

चरण चिह्न बनाने से पहले मुख्य द्वार और उसके आसपास की जगह अच्छी तरह साफ कर लें। इसके बाद दहलीज पर रंगोली बनाएं और चाहें तो दोनों ओर दीपक रखकर सजावट करें।

लक्ष्मी चरण पादुका बनाते समय इन बातों का ध्यान रखें-

चरणों का मुख घर के अंदर की ओर रखें।

साफ और व्यवस्थित जगह पर ही चरण बनाएं।

चावल के आटे, कुमकुम या अपनी पसंद के रंगों का इस्तेमाल करें।

चरणों के आसपास दीपक रखते समय आग से सुरक्षा का ध्यान रखें।

दिवाली पर लक्ष्मी चरण बनाने का या है महत्व?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां लक्ष्मी के चरण बनाना घर में धन, सुख और सौभाग्य का स्वागत करने का प्रतीक है। यह परंपरा लोगों को अपने घर को साफ रखने, पूजा की तैयारी करने और त्योहार को श्रद्धा के साथ मनाने की प्रेरणा भी देती है।



पंखे साफ करने का नाम सुनते ही कई लोगों को लगता है कि ब्लेड खोलने पड़ेंगे और पूरे घर में धूल फैल जाएगी. लेकिन ऐसा करने की जरूरत नहीं है. एक आसान तरीका है, जिससे पंखे के ब्लेड पर जमा धूल को बिना नीचे गिराए साफ किया जा सकता है. इसके लिए घर में रखा पुराना तकिए का कवर यानी पिलोकेस काम आ सकता है. सारे ब्लेड साफ होने के बाद पिलोकेस को बाहर ले जाकर उल्टा करें और उसमें जमा धूल को कूड़ेदान में डाल दें. इस तरीके से फर्नीचर और फर्श पर धूल फैलने की परेशानी काफी कम हो सकती है.

दीवाली की सफाई शुरू होते ही घर के फर्श, खिड़कियां, पर्दे और फर्नीचर तो साफ कर लिए जाते हैं, लेकिन अक्सर छत के पंखे नजरअंदाज हो जाते हैं. ऊपर लगे होने की वजह से पंखों पर जमा धूल आसानी से दिखाई नहीं देती. लेकिन जैसे ही पंखा चलता है, ब्लेड पर जमी धूल कमरे में वापस फैल सकती है. ऐसे में दीवाली से पहले पंखों की सफाई करना भी जरूरी है.पंखे साफ करने का नाम सुनते ही कई लोगों को लगता है कि ब्लेड खोलने पड़ेंगे और पूरे घर में धूल फैल जाएगी. लेकिन ऐसा करने की जरूरत नहीं है. एक आसान तरीका है, जिससे पंखे के ब्लेड पर जमा धूल को बिना नीचे गिराए साफ किया जा सकता है. इसके लिए घर में रखा पुराना तकिए का कवर यानी पिलोकेस काम आ सकता है. सारे ब्लेड साफ होने के बाद पिलोकेस को बाहर ले जाकर उल्टा करें और उसमें जमा धूल को कूड़ेदान में डाल दें. इस तरीके से फर्नीचर और फर्श पर धूल फैलने की परेशानी काफी कम हो सकती है.

जमी हुई गंदगी के लिए करें ये काम

कई बार पंखे के ब्लेड पर सिर्फ धूल नहीं होती. खासकर रसोई के आसपास लगे पंखों पर धूल के साथ चिकनाई की परत भी जम सकती है. ऐसे में सिर्फ सूखे कपड़े या पिलोकेस से सफाई करने से पूरी गंदगी नहीं निकलती. पहले ब्लेड से सूखी धूल हटा लें. इसके बाद हल्के गीले कपड़े पर सामान्य क्लीनर लगाकर ब्लेड को साफ किया जा सकता है. ध्यान रखें कि क्लीनर को सीधे पंखे पर स्प्रे न करें. किसी भी तरह का लिक्विड पंखे के इलेक्ट्रिकल हिस्सों तक पहुंच सकता है.सफाई के बाद पंखे के ब्लेड को पूरी तरह सूखने दें. गीली सतह पर धूल जल्दी चिपक सकती है, इसलिए पंखा तुरंत चलाने से बचें. अगर ब्लेड पर ज्यादा चिकनाई जमी है तो पिलोकेस के अंदर वाले हिस्से को हल्का गीला करके भी सफाई की जा सकती है.

सफाई करते समय इन गलतियों से बचें

पंखे की सफाई आसान है, लेकिन जल्दबाजी में की गई कुछ गलतियां पंखे को नुकसान पहुंचा सकती हैं. सबसे पहले पंखा बंद करके उसके ब्लेड पूरी तरह रुकने का इंतजार करें. सफाई के दौरान बहुत ज्यादा पानी का इस्तेमाल न करें. ब्लेड को साफ करते समय बहुत ज्यादा दबाव भी न डालें. ज्यादा जोर लगाने से ब्लेड मुड़ सकते हैं और उनका बैलेंस बिगड़ सकता है. इसलिए सफाई हमेशा हल्के हाथ से करें.

दीवाली से पहले कितनी बार करें सफाई?

पंखे को कितनी बार साफ करना चाहिए, इसका कोई एक नियम नहीं है. अगर ब्लेड पर धूल दिखाई देने लगे तो सफाई कर देनी चाहिए. सामान्य तौर पर महीने में एक बार पंखे की सफाई करने से धूल ज्यादा जमा नहीं होती और बाद में सफाई करना भी आसान रहता है. जिन घरों में पालतू जानवर हैं, खिड़कियां ज्यादा खुली रहती हैं या आसपास निर्माण कार्य चल रहा है, वहां पंखों पर धूल जल्दी जमा हो सकती है. ऐसे घरों में जरूरत के हिसाब से पंखे ज्यादा बार साफ करने पड़ सकते हैं.

सफाई के बाद भी पंखा हिले तो ध्यान दें

अगर सफाई करने के बाद भी पंखा हिल रहा है, अजीब आवाज कर रहा है या पहले की तुलना में कम हवा दे रहा है, तो इसकी वजह सिर्फ धूल नहीं हो सकती. ढीले ब्लेड, खराब बेयरिंग या मोटर से जुड़ी समस्या भी इसकी वजह हो सकती है. ऐसी स्थिति में पंखे की फिटिंग और दूसरे हिस्सों की जांच कराएं और मैकेनिकल समस्या होने पर एक्सपर्ट की मदद लें।



मानसून के बाद अब धीरे-धीरे सर्दी बढ़ रही है. वहीं अचानक कई राज्यों में बारिश की वजह से मौसम ज्यादा तेजी से ठंडा हुआ है तो वहीं दिन में अचानक धूप निकल रही है. ऐसे में खांसी-खराश होने लगती है. जरूरी है कि आपकी इम्यूनिटी मजबूत रहे और लंग्स में कफ न जमा हो. बार-बार दवाओं की बजाय कुछ देसी रेमेडीज ज्यादा बेहतर होती हैं. ये एंटीबायोटिक की तरह ही असर करती हैं. ऐसी ही एक गर्माहट देने वाली हर्बल ड्रिंक के बारे में जान लेते हैं जो आपके लंग्स को भी डिटॉक्स करेगी.

मशहूर सेलिब्रिटी न्यूट्रिशनिस्ट श्वेता शाह ने ये ड्रिंक या चाय की रेसिपी दी है जिससे फेफड़ों को डिटॉक्स करने में मदद मिलेगी. ठंडे मौसम में अगर आपको हल्की गर्माहट चाहिए तो भी आप इस ड्रिंक को अपने रूटीन का हिस्सा बना सकते हैं. इशके सारे इनग्रेडिएंट्स आपको घर की रसोई में ही मिल जाएंगे. चलिए जान लेते हैं इसे बनाने का तरीका.

बदलते मौसम में रखें ख्याल

मौसम में जब बदलाव हो रहा हो तो सेहत का थोड़ा एक्स्ट्रा ख्याल रखना चाहिए.सर्दियां शुरू होती हैं तो पॉल्यूशन भी बढ़ने लगता है ऐसे में भी रेस्पिरेटरी सिस्टम प्रभावित होता है. कुछ छोटी-छोटी सावधानियां भी आपको इस फेज में हेल्दी रखने में मदद करती हैं, जैसे खानपान में सुधार करना. इम्यूनिटी बूस्टर ड्रिंक्स को रूटीन का हिस्सा बनाना जो आपकी लंग्स की हेल्थ को भी सपोर्ट करे.

क्या चाहिए इनग्रेडिएंट्स?

200 एमएल पानी

2-3 लौंग

लहसुन की 1 कली

1 चौथाई चम्मच सौंठ का पाउडर या अदरक

फ्रेश आधा नींबू या स्वाद के मुताबक लें

कैसे बनाएं ये ड्रिंक?

सबसे पहले आप पानी को अच्छी तरह से उबाल लें और फिर गैस को ऑफ कर दें. अब इसमें लौंग, लहसुन की कली, सोंठ का पाउडर या क्रश की गई अदरक डाल दें. इसे कुछ मिनट तक ऐसे ही ढककर रखा रहने दें ताकि सारी चीजों के तत्व पानी में ऑब्जर्व हो जाएं. जब ये ड्रिंक गुनगुनी या इससे थोड़ी ज्यादा गर्म हो तो छान लें. इसमें आधा नींबू का रस मिलाएं और सिप-सिप कर पी लें.

क्या बरतें सावधानियां?

बदलते मौसम में जुकाम, खांसी, बुखार जैसी वायरल समस्याओं से बचने के लिए हाइजीन का ध्यान रखें.

खानपान को संतुलित रखें, घर का बना ताजा खाना ही खाएं और जंक, प्रोसेस्ड, हैवी फूड से दूरी बनाएं.

डाइट में विटामिन सी रिच फलों और सब्जियों समेत सूखे मेवा, नट्स, बीजों को जगह दें ताकि इम्यूनिटी सही रहे.

मौसम के हिसाब से सही कपड़ों का चुनाव करें. सुबह-शाम ठंड और दिन में गर्मी रहती है. इससे बचने के लिए लेयरिंग क्लॉथ बेस्ट रहते हैं.

बच्चों, बुजुर्गों की ज्यादा देखभाल करें, क्योंकि उनकी इम्यूनिटी थोड़ी कमजोर होती है.

अगर दो से दिन दिन लगातार खांसी, जुकाम और बुखार जैसे लक्षण दिख रहे हो तो तुरंत डॉक्टर के पास जाएं।

सोते-सोते कैसे आ जाता है स्ट्रोक इन लक्षणों को कभी न करें नजरअंदाज

> स्ट्रोक किसी भी समय आ सकता है, यहां तक कि रात में सोते समय भी. ऐसा तब होता है, जब दिमाग तक खून पहुंचाने वाली नस में खून का थक्का जम जाता है या दिमाग की कोई नस फट जाती है. इन दोनों ही स्थितियों में दिमाग को नुकसान पहुंचता है. कई बार व्यक्ति को पता ही नहीं चलता कि स्ट्रोक कब आया. उसे सुबह उठने पर शरीर में बदलाव महसूस होते हैं. हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल और दिल की कुछ बीमारियां स्ट्रोक का खतरा बढ़ाती हैं. इसके अलावा, धूम्रपान, शारीरिक गतिविधि की कमी और गलत खानपान भी जोखिम बढ़ाने वाले कारण हैं.

स्ट्रोक एक गंभीर बीमारी है, जिसमें दिमाग तक खून पहुंचना बंद हो जाता है या दिमाग की कोई नस फट जाती है. इससे दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचने लगता है. कई बार व्यक्ति को सोते समय स्ट्रोक आता है और उसे इसका पता सुबह उठने पर चलता है. इसे वेक-अप स्ट्रोक कहा जाता है. इसमें व्यक्ति रात को सोने से पहले ठीक होता है, लेकिन सुबह उठने पर उसे बोलने, चलने या शरीर के किसी हिस्से को हिलाने में परेशानी होने लगती है. ऐसे लक्षणों को नजरअंदाज करना खतरनाक होता है. आइए जानते हैं कि सोते समय स्ट्रोक क्यों आता है और इसके लक्षणों को कैसे पहचान सकते हैं.

सोते समय कैसे आ जाता है स्ट्रोक?

स्ट्रोक किसी भी समय आ सकता है, यहां तक कि रात में सोते समय भी. ऐसा तब होता है, जब दिमाग तक खून पहुंचाने वाली नस में खून का थक्का जम जाता है या दिमाग की कोई नस फट जाती है. इन दोनों ही स्थितियों में दिमाग को नुकसान पहुंचता है. कई बार व्यक्ति को पता ही नहीं चलता कि स्ट्रोक कब आया. उसे सुबह उठने पर शरीर में बदलाव महसूस होते हैं. हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल और दिल की कुछ बीमारियां स्ट्रोक का खतरा बढ़ाती हैं.



इसके अलावा, धूम्रपान, शारीरिक गतिविधि की कमी और गलत खानपान भी जोखिम बढ़ाने वाले कारण हैं.

सुबह उठने पर दिखते हैं ये लक्षण

सोते समय स्ट्रोक आने पर कई बार सुबह उठने के बाद इसके लक्षण दिखाई देते हैं. व्यक्ति को शरीर के एक तरफ हाथ या पैर में कमजोरी महसूस होती है. कुछ लोगों का चेहरा एक तरफ झुक जाता है, जबकि कुछ को बोलने या दूसरों की बात समझने में परेशानी होती है. इसके अलावा, अचानक धुंधला दिखाई देना, चक्कर आना और चलने में संतुलन बिगड़ना भी स्ट्रोक के संकेत होते हैं. कुछ मामलों में अचानक बहुत तेज सिरदर्द भी होता है. अगर सुबह उठने पर इस तरह के लक्षण दिखाई दें, तो इन्हें थकान या नींद पूरी न होने की वजह समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. ये स्ट्रोक के संकेत होते हैं और ऐसी स्थिति में तुरंत अस्पताल पहुंचना जरूरी है.

स्ट्रोक आने पर क्या करना चाहिए?

अगर किसी व्यक्ति को सुबह उठने पर स्ट्रोक के लक्षण दिखाई देते हैं, तो उसे तुरंत मेडिकल मदद दिलानी चाहिए. डॉक्टर को यह बताना भी जरूरी है कि व्यक्ति को आखिरी बार कब ठीक देखा गया था और सुबह उठने पर कौन से लक्षण दिखाई दिए. स्ट्रोक के इलाज में समय बहुत महत्वपूर्ण होता है. कुछ मरीजों को खून का थक्का हटाने या दिमाग में खून का बहाव दोबारा शुरू करने के लिए खास इलाज दिया जाता है. इसके लिए डॉक्टर की जांच जरूरी होती है. मरीज को खुद से कोई दवा नहीं देनी चाहिए, क्योंकि दिमाग की नस फटने और खून का थक्का जमने से होने वाले स्ट्रोक का इलाज अलग-अलग होता है.



शाहरुख खान का 61वां जन्मदिन मन्नत के बाहर आधी रात से जुटे फैंस

अभिनेता शाहरुख खान आज 61 वर्ष के हो गए हैं। उनका जन्मदिन का मौका प्रशंसकों के लिए किसी उत्सव सरीखा होता है। इस दिन दूर-दराज से लोग अपने चहेते अभिनेता की एक झलक देखने के लिए मायनगरी पहुंचते हैं। इस बार भी शाहरुख खान के जन्मदिन पर आधी रात से ही फैंस उनके मुंबई स्थित घर मन्नत के बाहर जुटने लगे। मुंबई पुलिस ने भी सुरक्षा बढ़ा दी है।

मन्नत के बाहर पुलिसकर्मी तैनात

सोमवार को अभिनेता शाहरुख खान के बर्थडे सेलिब्रेशन से पहले उनके घर 'मन्नत' के बाहर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। इस खास दिन पर एक्टर की एक झलक पाने के लिए फैंस भी उनके घर के बाहर जमा हो गए हैं। मुंबई पुलिस के जवान शाहरुख के घर के बाहर तैनात हैं। सोमवार सुबह जब फैंस मन्नत के बाहर पहुंचे तो पुलिसकर्मियों को कारों की चेकिंग करते और भीड़ को कंट्रोल में रखते देखा गया।

घर की बालकनी से फैंस का अभिवादन करते हैं शाहरुख

हर साल सुपरस्टार शाहरुख खान को जन्मदिन की बधाई देने और उनकी एक झलक पाने के लिए फैंस मन्नत के बाहर जमा होते हैं। एक्टर अक्सर इस मौके को और भी खास बना देते हैं। वे अपने घर की बालकनी में आकर फैंस का अभिवादन करते हैं।

'किंग' का पहला गाना हुआ रिलीज

जन्मदिन के मौके पर शाहरुख खान के फैंस को तोहफा मिला है। उनकी आगामी फिल्म 'किंग' का पहला गाना 'तू मिल जाए' कल आधी रात को मेकर्स ने जारी किया। गाने में शाहरुख खान एक एक्शन हीरो और लवर के तौर पर नजर आ रहे हैं। इसमें शाहरुख खान के साथ दीपिका पादुकोण भी हैं। दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री एक बार फिर देखने को मिली है। बता दें कि 'किंग' के जरिए फिल्म 'डंकी' के तीन साल बाद शाहरुख खान बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। 'किंग' 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कैसे बॉलीवुड के किंग बने शाहरुख?

शाहरुख खान ने अपनी फिल्मों से सभी को अपना दीवाना बनाया है। आज वे अपना 61वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर जानिए उनसे जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें, जो उन्हें बॉलीवुड का बादशाह बनाता है।

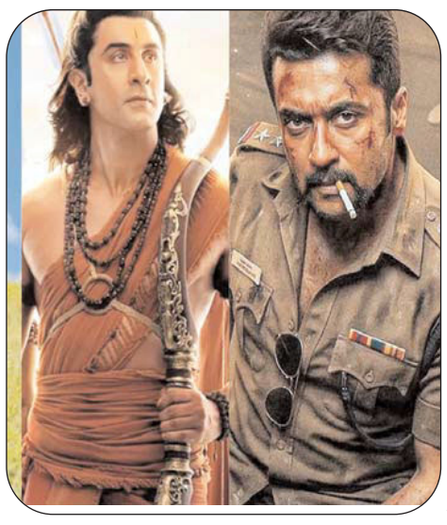
शाहरुख खान के यादगार किरदार

बॉलीवुड में कई सितारे आए और गए, लेकिन कुछ कलाकार ऐसे हैं जिन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है। शाहरुख खान भी उन्हीं में से एक हैं। रोमांस हो, एक्शन हो या फिर नेगेटिव किरदार, उन्होंने हर तरह के रोल से दर्शकों का दिल जीता है। यही वजह है कि उन्हें बॉलीवुड का 'किंग खान' कहा जाता है। शाहरुख ने अपने करियर में कई ऐसी फिल्में की हैं, जिनके किरदार आज भी लोगों के दिलों में बसे हुए हैं। करियर के शुरुआत में शाहरुख ने 'बाजीगर', 'डर' और 'अंजाम' जैसी फिल्मों में नैगेटिव किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीता। इसके बाद उन्होंने 'कुछ कुछ होता है', 'दिल तो पागल है' में रोमांटिक फिल्मों से लोगों को अपना दीवाना बनाया। इसके बाद अब वे 'पठान', 'जवान' और 'रईस' जैसी फिल्मों में एक्शन अवतार में नजर आए। इस तरह शाहरुख ने अपने करियर में हर तरह के किरदार किए और वो लोगों के दिलों में भी जगह बना गए।

करोड़ों के मालिक हैं शाहरुख

शाहरुख खान सिर्फ बॉलीवुड के सुपरस्टार ही नहीं, बल्कि एक सफल बिजनेसमैन भी हैं। उनकी कमाई का जरिया सिर्फ फिल्में नहीं हैं। वह विज्ञापनों, प्रोडक्शन हाउस और क्रिकेट टीम से भी अच्छी कमाई करते हैं।हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2026 के मुताबिक, शाहरुख खान की अनुमानित नेटवर्थ करीब 10,000 करोड़ रुपये है। इस आंकड़े में उनकी फिल्मों से होने वाली कमाई के साथ रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स जैसे बिजनेस भी शामिल हैं। इस लिस्ट के मुताबिक वह भारत के सबसे अमीर अभिनेता हैं। शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान भी उनके बिजनेस में अहम भूमिका निभाती हैं। दोनों मिलकर रेड चिलीज एंटरटेनमेंट चलाते हैं। इसके अलावा शाहरुख आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के सह-मालिक भी हैं।

सिर्फ 'रामायण' ही नहीं ये भी हैं विकल्प जानिए इस हफ्ते रिलीज होंगी कौन सी फिल्में



भारतीय बॉक्स ऑफिस पर नवंबर की शुरुआत काफी शानदार रहने वाली है। एक तरफ जहां कुछ दिलचस्प फिल्में सिनेमाघरों में कदम रखेंगी, वहीं दूसरी तरफ भारतीय सिनेमा की अभी तक की सबसे महंगी फिल्म भी इसी महीने रिलीज होनी है। तो चलिए जानते हैं इन फिल्मों की रिलीज डेट और इनकी कहानियों के बारे में थोड़ा सा हिंट। ताकि आप इस हफ्ते की प्लानिंग करते हुए बेस्ट मूवी और बेस्ट स्लॉट बुक कर सकें। शुरुआत उस फिल्म के साथ करते हैं, जिसका इंतजार देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर की जनता कर रही है। अनाउंसमेंट के वक्त से ही सुर्खियों में बनी हुई नमित मल्होत्रा की रामायण 5 नवंबर को थिएटर्स में रिलीज होने वाली है। रणबीर कपूर और साई पल्लवी स्टारर यह फिल्म 'रामायण' की कहानी को बहुत एपिक अवतार में बड़े पर्दे पर पेश करेगी। ट्रेलर से लेकर गानों तक लोगों के दिलों को छू गए हैं और अब बड़ी बेसब्री से लोग इस फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। यूं तो 'रामायण' इतनी बड़ी फिल्म है कि उसके आसपास कोई फिल्म रिलीज हो नहीं रही। लेकिन कुछ फिल्में हैं जो आपको इसके साथ भी बतौर ऑप्शन मिलेंगी। अगर आपको साउथ की फिल्में और उनका लार्जर दैन लाइफ एक्शन पसंद है, तो 6 नवंबर को फिल्म 'सीन' रिलीज होने जा रही है। यह एक एक्शन कॉमेडी क्राइम थ्रिलर है। कहानी की बात करें तो जब एक रेबेल पुलिस ऑफिसर अपने पुराने अधूरे केस को दोबारा खोलता है, तो यह सिंपल सा दिखने वाला केस एक डार्क ह्यूमर, स्टाइलिश एक्शन और जबरदस्त एक्शन ले आता है। अगर आपको एनिमेशन फिल्में पसंद हैं, या फिर फैमिली के साथ कोई मूवी देखने जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आपके लिए यह ऑप्शन बेहतर रहेगा। यह फिल्म लेखक डॉ. सीस की साल 1957 में आई लोकप्रिय किड्स बुक पर बेस्ड एक एनिमेटेड एडवेंचर-कॉमेडी फिल्म है। कहानी एक सीक्रेट ऑर्गनाइजेशन में काम करने वाली कैट की है। जब उसके 2 भाई नए शहर में तालमेल बिठाने की कोशिश कर रहे हैं, तभी अपनी जादुई शरारतों से एक कैट उनकी जिंदगी में उथल-पुथल मचा देता है। यह फिल्म भी 6 नवंबर को रिलीज होगी।

बिग बॉस 20 : बेघर हुए आसिफ तो फूट-फूटकर रोए यंग



माही-कनिका के बीच हुई बहस

रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' का दर्शकों के बीच अच्छा खासा बज देखने को मिल रहा है। जैसे-जैसे गेम आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे प्रतियोगियों के बीच इक्वेशन भी बदलते नजर आ रहे हैं। रविवार को भी शो में जमकर बवाल देखने को मिला।

शो 'बिग बॉस 20' से आसिफ खान बेघर हो गए हैं। दरअसल, आसिफ और स्काउट के पास केवल एक ही लाइफलाइन बची थी। इसके बाद ये असमंजस था कि दोनों में से कौन सा कंटेस्टेंट घर से बाहर जाएगा।

ये भी साफ हो गया और आसिफ को घर से जाना पड़ा। घर से बेघर होने पर आसिफ और घरवाले भी बेहद भावुक हुए। उनके जाने पर यंग और स्काउट फूट-फूटकर रोते नजर आए। जाने से पहले आसिफ ने आखिरी बार बीबी न्यूज रिपोर्टिंग भी की। इसके बाद वह स्काउट और यंग से गले लगकर भावुक भी हुए। बाकी घरवाले भी आसिफ के जाने से दुखी नजर आए।

घर में कुछ देर के लिए एल्विश यादव भी आए। उन्होंने कंटेस्टेंट्स से खूब बातचीत की और लव के साथ फ्लर्ट भी करते नजर आए। इसके अलावा एल्विश ने घरवालों के साथ कुछ गेम्स भी खेले। गेम्स के दौरान उन्होंने लव के साथ खूब मस्ती की और इस बीच लव का नाम लेकर सलमान और एल्विश स्काउट की टांग खींचते नजर आए। शो में एक टास्क हुआ, जिसमें घरवालों को बताना था कि किसे किसका रिश्ता सबसे फैक लगता है। इस पर माही ने कनिका और गुल्लू का नाम लिया। माही के इस जवाब पर कनिका भड़क गईं और माही से भिड़ने लगीं। कनिका ने कहा कि उन्हें इस घर में माही ही फैक लगती हैं। इस दौरान दोनों के बीच जमकर बहस देखने को मिली।

'यह मेरे लिए काला दशक है', भतीजे की मौत के बाद हनी सिंह और गिप्पी ग्रेवाल ने लिखी पोस्ट



म्यूजिशियन/रैपर हनी सिंह के भतीजे की सड़क हादसे में मौत हो गई है। हनी सिंह ने खुद इंस्टा स्टोरी पर इस खबर को कन्फर्म किया है। हनी सिंह ने एक छोटी सी इंस्टा स्टोरी में अपने इमोशन्स जाहिर करते हुए बताया कि इस घटना के किस कदर उन्हें झंकझोर कर रख दिया है। हनी सिंह ने इंस्टा स्टोरी में लिखा- यह मेरे लिए एक काला दशक है। मेरा भतीजा मुझसे दूर हो गया। यह तकलीफों का पहाड़ टूटने जैसा है। भोले नाथ.. मेहर.. मेहर... मेहर। मालूम हो कि हनी सिंह के भतीजे औलक एक बर्थडे पार्टी से लौट रहे थे जब पंजाब के जालंधर में उनका रोड एक्सीडेंट हो गया।

हनी सिंह ने बताया दिल का हाल

हनी सिंह के भतीजे के साथ गाड़ी में उनके दो दोस्त भी थे। यह हादसा पुलिस लाइंस इलाके के पास एक फ्लाईओवर पर हुआ। औलक एक पंजाबी म्यूजिक कंपनी 'स्पीड रिकॉर्ड्स' के मालिक दिनेश के बेटे थे। उनके साथ गाड़ी में मौजूद अन्य 2 लड़कों में एक की पहचान पैपी स्वीट्स के मालिक के बेटे आरव तलवार के तौर में हुई है।

गिप्पी ग्रेवाल ने भी किया पोस्ट

हनी सिंह की पोस्ट के बाद पंजाबी एक्टर-सिंगर गिप्पी ग्रेवाल ने भी इस घटना पर शोक प्रकट किया है और एक सोशल मीडिया पोस्ट करके परिवार को सांत्वना दी है। औलक की मौत की खबर पर रिएक्शन देते हुए गिप्पी ग्रेवाल ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'मेरे प्यारे भतीजे विदित औलक के दुखद गुजर जाने की खबर सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ। उनकी अचानक हुई मौत की तकलीफ को बताने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। वाहेगुरु आपकी आत्मा को शांति दें और दिनेश भाजी और पूरे औलक परिवार को यह दुख सहने की ताकत और हिम्मत दें।'

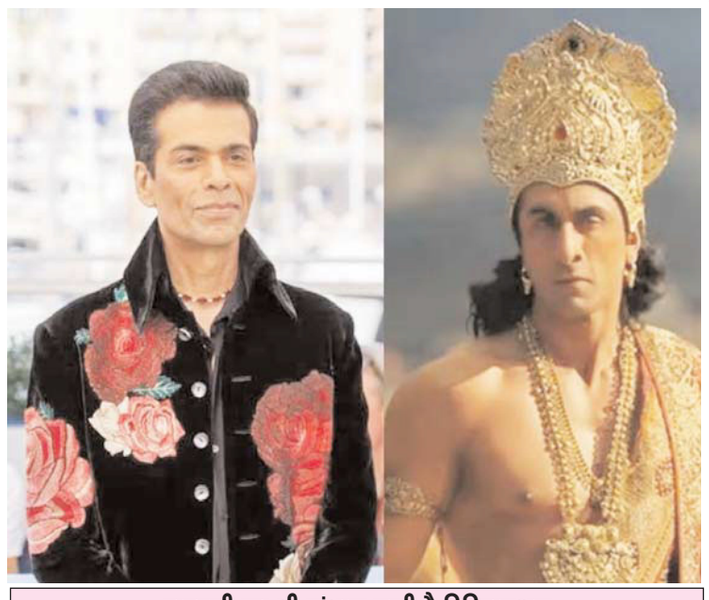
संजय गुप्ता: 'मैं गहरे सदमे में हूं', निर्देशक के निधन से टूटे रोहित रॉय; विवेक ओबेरॉय ने कही भावुक बात



बॉलीवुड के मशहूर फिल्ममेकर संजय गुप्ता का शनिवार सुबह निधन हो गया। उनके निधन की खबर से फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है। संजय गुप्ता के निधन के बाद कई सितारों ने उनके लिए भावुक नोट लिखा। विवेक ओबेरॉय ने भी संजय गुप्ता के निधन पर दुख जताया है। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर लिखा, 'संजय गुप्ता के अचानक और असमय निधन की खबर सुनकर मैं गहरे सदमे में हूं और मेरा दिल टूट गया है। यह नुकसान ऐसा है, जिसकी कल्पना करना भी मुश्किल है और इस खबर को स्वीकार करना मेरे लिए बहुत कठिन है। उन्होंने आगे लिखा, 'हमने साथ काम किया था, इसलिए यह खबर मेरे लिए बेहद निजी है। उस इंसान को खोना कभी आसान नहीं होता, जिसके साथ आपने सफर तय किया हो, बातें की हों और कई यादें शेयर की हों। कुछ खबरें ऐसी होती हैं, जिन्हें सुनकर इंसान सुन्न पड़ जाता है और यह उन्हीं में से एक है। विवेक ने आगे कहा, 'हमने साथ काम करते हुए जो वक्त बिताया, उसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगा। संजय, आपकी कमी हमेशा खलेगी। आपके परिवार और करीबियों के प्रति मेरी दिल से संवेदनाएं। भगवान उन्हें इस अपूरणीय क्षति को सहने की ताकत दें। आपकी आत्मा को शांति मिले। ओम शांति।'

'करण जौहर ने 'रामायण' के बारे में लिखी यह बात रिलीज से पहले बढ़ाया फैंस का एक्साइटमेंट

रणबीर कपूर और साई पल्लवी की फिल्म 'रामायण' सिनेमाघरों में 5 नवंबर को रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म को देशभर में कई भाषाओं में रिलीज किया जा रहा है और अन्य देशों में भी इसकी रिलीज की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। फिल्म के हिंदी वर्जन का डिस्ट्रिब्यूशन राइट धर्मा प्रोडक्शन ने 250 करोड़ रुपये में खरीदा हुआ है और करण जौहर का धर्मा प्रोडक्शन इसे देशभर के हिंदी-भाषियों तक पहुंचाएगा। रविवार रात करण जौहर ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर कुछ ऐसा लिखा, जिसने लोगों का ध्यान खींचा। करण जौहर ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर लिखा, 'दिमाग घूम गया है। अब और कुछ नहीं कह पाऊंगा। बस इतना ही कह सकता हूं कि यह बहुत अतुल्य और बहुत-बहुत हैप्पी दिवाली रहने वाली है।' लोग करण जौहर की इस पोस्ट को फिल्म रामायण के साथ जोड़कर देख रहे हैं, जिसके डिस्ट्रिब्यूशन राइट्स करण जौहर ने खरीद रखे हैं। बता दें कि हाल ही में फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर लॉस एंजेलिस में रखा गया था। इस प्रीमियर में दुनिया भर के लोग पहुंचे थे और हॉलीवुड सेलेब्रिटीज ने भी फिल्म की तारीफ की थी। अगर करण जौहर की यह इंस्टा स्टोरी नमित मल्होत्रा की रामायण को लेकर है, तो जाहिर है कि उन्हें यह फिल्म बहुत पसंद आई है, और अब उनसे दर्शकों तक इसके पहुंचने का इंतजार नहीं हो रहा। मालूम हो कि सिर्फ भारत में रामायण को हिंदी, कन्नड़, तमिल, तेलुगू और मलयालम में रिलीज किया जा रहा है।



बाहुबली का भी संभाल चुकी है डिस्ट्रिब्यूशन

तमिल वर्जन का डिस्ट्रिब्यूशन थिंक स्टूडियोज ने संभाला हुआ है तो कन्नड़ वर्जन का डिस्ट्रिब्यूशन साउथ के सुपरस्टार एक्टर यश के हाथों में है। फिल्म के पहले पार्ट को लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है, और पार्ट-2 की रिलीज के लिए दर्शकों से अभी से इंतजार नहीं हो रहा। बता दें कि करण जौहर और उनकी कंपनी इस फिल्म की प्रोड्यूसर नहीं हैं, बल्कि वो इसके डिस्ट्रीब्यूटर के तौर पर जुड़े हैं। इससे पहले भी धर्मा प्रोडक्शन्स ने 'बाहुबली' जैसी बड़ी फिल्म के हिंदी वर्जन को डिस्ट्रीब्यूट किया था।

रात में आए दौरे, सुबह 4:30 बजे मां उठाने गई तब पता चला, नहीं रहे 30 साल के अनुज ठाकुर



टीवी इंडस्ट्री से एक बेहद दुखद और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। 'बंधन साथ जनमों का' और 'धूम मचाओ धूम' जैसे पॉपुलर टीवी शोज में काम करने वाले अभिनेता अनुज ठाकुर का महज 30 साल की उम्र में निधन हो गया है। इस बात की पुष्टि अनुज के करीबी दोस्त और कास्टिंग डायरेक्टर रूपेश सोनार ने की है।

रूपेश और अनुज की मुलाकात 'बंधन साथ जनमों का' के सेट पर हुई थी। दोनों एक-दूसरे को 18 साल से जानते थे। रूपेश, अनुज को अपने छोटे भाई की तरह मानते थे। रूपेश ने बताया कि मौत से महज 10 दिन पहले उनकी अनुज से मुलाकात हुई थी। अनुज तब बहुत खुश थे और एक्टिंग की दुनिया में वापसी करने का प्लान बना रहे थे।

30 अक्टूबर के दिन हुआ था निधन

रूपेश ने अनुज को श्रद्धांजलि देते हुए एक पोस्ट लिखी। उन्होंने कहा, 'शुक्रवार रात करीब 8:30 बजे, मुझे एक कॉमन दोस्त का फोन आया जिसने मुझे अनुज के निधन की खबर दी। मुझे यकीन ही नहीं हुआ क्योंकि मैं 10 पहले ही उससे मिला था। अनुज के निधन की खबर सुनकर मुझे गहरा सदमा लगा। मुझे बताया गया कि वह रात को सोने गया और फिर कभी नहीं उठा। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि आखिर हुआ क्या होगा।'

दौरे पड़ने की वजह से हुई मौत

रूपेश ने आगे लिखा, 'मैंने उसके भाई से बात की। उस समय वह इस हालत में नहीं था कि वह मुझे कुछ बता सके इसलिए शनिवार को मैं उसके परिवार से मिलने गया। तब मुझे पता चला कि अनुज को दौरे पड़े थे और उसी दौरान उसका निधन हो गया।' रूपेश आगे बताते हैं, 'अनुज सुबह जल्दी उठने वालों में से था। वह रोज सुबह 4:30 बजे उठकर अपना रूटीन फॉलो करता था। लेकिन उस सुबह वह नहीं उठा। सुबह 4:30 बजे उसका अलार्म बजा। जब उसकी मां उसे जगाने के लिए उसके कमरे में गईं तो अनुज नहीं उठा।'

10 दिन पहले जब मैं मिला तब उनके चेहरे पर : रूपेश

अनुज को याद करते हुए रूपेश ने लिखा, 'मैं अनुज को 2008 से जानता हूं, जब हमने अपने पहले शो 'बंधन सात जन्मों का' में एक साथ काम किया था। उसके बाद हमने कई और शोज में भी साथ काम किया। यह मान लेना बहुत मुश्किल है कि वे अब हमारे बीच नहीं रहे। मैं उनसे सिर्फ 10 दिन पहले ही मिला था, और वे कमबैक करने के बारे में बात कर रहे थे। उनके चेहरे पर वही एक्साइटमेंट दिख रही थी जैसी 2008 में हुआ करती थी। वे हमेशा सबसे प्यार से बात करते थे और लोगों के साथ बहुत अच्छा व्यवहार करते थे। वे हमेशा खुश रहते थे और लोगों की मदद करते थे। वे एक बेहतरीन व्यक्ति थे और मेरे लिए छोटे भाई की तरह थे। मुझे अभी भी समझ नहीं आ रहा कि उन्हें इतनी जल्दी हमें छोड़कर क्यों जाना पड़ा।'